14 जुलाई 2025
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण



सावनः रामरेखा घाट से प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण, दुकानदार नाराज

2





देवघर में श्रावणी मेला की शुरूआतःड्रोन और लेजर लाइट शो में दिखी शिव महिमा

देवघर। देवघर में विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला का आगाज हो गया है। कांवरियों के स्वागत के लिए पूरे शहर को दुल्हन की तरह सजाया गया है। शिवलोक परिसर से बाबा बैद्यनाथ मंदिर तक पांच किलोमीटर की परिधि में ड्रोन शो का आयोजन किया गया। पर्यटन विभाग द्वारा सावन में पहली बार आयोजित इस शो में आकाश में शिव तांडव, त्रिशूल, डमरू और बाबा मंदिर की आकृतियां बनाई गईं। श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ इस दृश्य का स्वागत किया। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। श्रावणी मेले को पूरी तरह डिजिटल बनाया गया है मेला अवधि के दौरान लेजर लाइट शो और तकनीकी प्रस्तुतियां जारी रहेंगी। इस वर्ष श्रावणी मेले को पूरी तरह डिजिटल बनाया गया है। डीसी नमन प्रियेश लकड़ा के अनुसार श्रद्धालुओं को भक्ति और सुविधा का बेहतर अनुभव देने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। देवभूमि में श्रद्धा, संस्कृति और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। श्रावण मास की शुक्रवार से शुरूआत हो गई। यह 9 अगस्त तक चलेगा। यह महीना भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पवित्र माना जाता है। इस बार सावन में कुल चार सोमवार पड़ेंगे।

चारों हस्ती अलग-अलग क्षेत्रों में दर्ज कर चुकी है अपनी महारथ

वकील उज्ज्वल निकम समेत चार हस्तियां राज्यसभा के लिए मनोनीत

♦ सामाजिक कार्यकर्ता सदा नंदन मस्ते, पूर्व विदेश सचिव हर्ष वर्धन श्रृंगला व शिक्षाविद् मीनाक्षी जैन को राष्ट्रपति ने किया मनोनीत



एजेंसी/नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा के लिए चार हस्तियों को मनोनीत किया है। ये चारों हस्ती अलग-अलग क्षेत्रों से हैं। ये मनोनयन पूर्व में नामित सदस्यों की सेवानिवृत्ति के कारण उत्पन्न रिक्तियों के मद्देनजर किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनोनीत सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उज्ज्वल निकम का कानूनी क्षेत्र और हमारे संविधान के प्रति समर्पण अनुकरणीय है। वह न केवल एक सफल वकील रहे हैं, बल्कि महत्वपूर्ण मामलों में न्याय दिलाने में भी सबसे आगे रहे हैं। अपने पूरे कानूनी करियर के दौरान, उन्होंने हमेशा संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया है कि आम नागरिकों के साथ हमेशा सम्मान से पेश आया जाए. यह खुशी की बात है कि भारत के राष्ट्रपति ने उन्हें राज्यसभा के लिए नामित किया है. उनके संसदीय जीवन के लिए मेरी शुभकामनाएं।

जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति ने आतंकी मामलों में जबर्दस्त पकड़ रखने वाले वरिष्ठ वकील उज्ज्वल निकम, केरल के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद् सी. सदानंदन मस्ते, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और प्रख्यात इतिहासकार एवं शिक्षाविद् मीनाक्षी जैन को संसद के उच्च सदन के लिए नामित किया है। ये सार्वजनिक सेवा और छात्रवृत्ति में उत्कृष्टता को मान्यता देने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। उज्ज्वल निकम को हाई प्रोफाइल आपराधिक मामलों को संभालने के लिए जाना जाता है. उन्होंने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों में आतंकी अजमल कसाब को फांसी के फंदे तक पहुंचाने में सरकारी वकील के रूप में जबर्दस्त पैरवी की थी. साथ ही 1993 के बॉम्बे विस्फोट मामले भी वह सरकारी वकील रहे थे।

अपने विशिष्ट राजनयिक करियर के लिए जाने जाने वाले हर्षवर्धन श्रृंगला, अमेरिका और बांग्लादेश में भारत के राजदूत रह चुके हैं। वह जनवरी 2020 से अप्रैल 2022 तक विदेश सचिव के रूप में काम किया। अन्य नव मनोनीत सदस्यों में केरल के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सी. सदानंदन मास्टर शामिल हैं। जिन्होंने दशकों तक जमीनी स्तर पर सेवा की है। तथा मीनाक्षी जैन, जो एक प्रसिद्ध इतिहासकार और शिक्षाविद् हैं। उन्हें भारतीय इतिहास और सभ्यता के अध्ययन में उनके योगदान के लिए जाना जाता है।

इन व्यक्तियों को संविधान के अनुच्छेद 80(1)(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के साथ-साथ उसी अनुच्छेद के खंड (3) के अंतर्गत नामित किया गया है। ये नामांकन पूर्व में नामित सदस्यों की सेवानिवृत्ति के कारण उत्पन्न रिक्तियों के मद्देनजर किए गए हैं। गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना के जरिए इसकी घोषणा की। ये नामांकन पूर्व मनोनीत सदस्यों की सेवानिवृत्ति से उत्पन्न रिक्तियों को भरते हैं और इन्हें कानून, कूटनीति, समाज सेवा और ऐतिहासिक विद्वता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय योगदान के लिए सरकार की स्वीकृति के रूप में देखा जाता है।

उज्ज्वल निकम ने राष्ट्रपति का शुक्रिया अदा किया : राज्यसभा के लिए मनोनीत होने पर विशेष सरकारी वकील उज्ज्वल निकम ने द्रौपदी मुर्मू का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि मुझे मनोनीत करने के लिए मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का शुक्रिया अदा करता हूं। जब मैं लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी से मिला था, तो उन्होंने मुझ पर भरोसा जताया था। पीएम नरेंद्र मोदी ने मुझे मेरे नामांकन की जानकारी देने के लिए फोन किया। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या उन्हें हिंदी में बात करनी चाहिए या मराठी में हम दोनों हंसने लगे। फिर उन्होंने मुझसे मराठी में बात की और मुझे बताया कि राष्ट्रपति मुझे जिम्मेदारी देना चाहते हैं, जिसके बाद उन्होंने मुझे राष्ट्रपति के फैसले के बारे में बताया। मैंने तुरंत हां कह दिया। अपना कार्य ईमानदारी के साथ निर्वहन करूंगा।

देवघर से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई, 4 की दर्दनाक मौत

♦ कुशीनगर जिले के पटहेरवा थाना क्षेत्र के बगहीकुटी के पास स्थित फोरलेन हाईवे पर हुआ दर्दनाक हादसा



एजेंसी/कुशीनगर

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में दिल को दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां झारखंड के देवघर में बाबा भोलेनाथ का दर्शन करके घर लौट रहे श्रद्धालुओं की कार की ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा हो गई। इस हादसे में कार सवार चार लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी मृतक सिद्धार्थ नगर के रहने वाले थे। हादसा कुशीनगर जिले के पटहेरवा थाना क्षेत्र के बगहीकुटी के पास स्थित फोरलेन हाईवे पर रविवार सुबह उस वक्त हुआ, जब एक लग्जरी कार अचानक सामने आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। कार में कुल छह लोग सवार थे, जो शनिवार रात 10 बजे झारखंड के देवघर से घर लौट रहे थे। सुबह के समय चालक की एक पल की लापरवाही या थकावट की वजह से यह भीषण टक्कर हो गई।कार चला रहे राजेश शर्मा ने बताया कि वह देवघर से लगातार गाड़ी चला रहे थे। थकावट के कारण सुबह अचानक ट्रैक्टर-ट्रॉली उनकी गाड़ी के सामने आ गई, जिससे भीषण टक्कर हो गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया गया। इस हादसे में जिन 4 श्रद्धालुओं की मौत हुई, वे सभी सिद्धार्थनगर जनपद के रहने वाले थे।

मृतकों की पहचान मनोज सिंह, सुजीत जायसवाल, रामकरण गुप्ता और कैलाश मणि त्रिपाठी के रूप में हुई है। वही दोनों घायल भी सिद्धार्थ नगर के दीनदयाल नगर के रहने वाले हैं. एक कृष्ण शर्मा का बेटा राजेश शर्मा है तो दूसरा धीरेन्द्र शर्मा का पुत्र सुशांत शर्मा है। इन दोनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एसडीएम और सीओ ने पूरी घटना की जानकारी ली। जिसके बाद घटना की जानकारी मृतकों के परिजनों को दी गयी। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

सिद्धार्थनगर के रहने वाले थे कार सवार : जानकारी के मुताबिक, झारखंड के देवघर से दर्शन करके एक कार जिसमें 6 लोग सवार होकर सिद्धार्थनगर जनपद अपने घर जा रहे थे। बगही कुटी के पास एक ट्रैक्टर के मोड़ने की वजह से यह अर्टिगा कार जाकर ट्रैक्टर ट्रॉली से भीड़ गई। इसमें कार सवार 3 लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई और एक व्यक्ति की हॉस्पिटल ले जाते समय मौत हो गई। वहीं कार में सवार 2 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में 1 की हालत नाजुक बनी हुई है।

एसडीएम ने की 4 मौतों पुष्टि

एसडीएम आकांक्षा मिश्रा ने 4 श्रद्धालुओं के मृत्यु की पुष्टि की है। उन्होंने बताया है कि देवघर से भगवान शिव का दर्शन करके लौट रहे कार और ट्रैक्टर ट्रॉली के बीच टक्कर हो गई। इसमें कार सवार 3 लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। जानकारी मिली है कि एक व्यक्ति की हॉस्पिटल ले जाते समय भी मृत्यु हुई है।

कोटा में ट्रक में घुसी मिनी बस, 4 की मौत

एजेंसी/कोटा

सगाई फंक्शन से लौट रही मिनी बस (ट्रैवलर) आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। इस हादसे में 2 सगे ज्वेलर भाई, उनकी मां और बहनोई (बहन के पति) की मौत हो गई। परिवार के 10 अन्य लोग घायल हैं। इसमें से 7 की स्थिति गंभीर है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर दुर्घटना रविवार सुबह कोटा (ग्रामीण) के दीगोद उपखंड इलाके में सुबह करीब 5 बजे हुई। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया- शनिवार को करौली के सीताबाड़ी इलाके की रहने वाली ज्वेलर फैमिली इंदौर (मध्य प्रदेश) गई थी। इंदौर में लड़के का सगाई-गोदभराई कार्यक्रम था। शनिवार को ही रात के नौ बजे परिवार के सभी लोग मिनी बस से करौली के लिए चले थे। रविवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के चंबल पुल पर (बुढ़ादीत गांव) दुर्घटना हो गई। हादसा देखकर लगता है कि मिनी बस की स्पीड काफी तेज थी। आशंका जताई जा रही है कि मिनी बस के ड्राइवर को झपकी आने के कारण हादसा हुआ है। मिनी बस में सवार सुरेश सोनी (45), ब्रजेश सोनी (45), गीता सोनी (63) और अनिल सोनी (48) की मौत हो गई। अनिल और ब्रजेश सगे भाई थे। इनकी मां गीता थी। सुरेश, गीता के दामाद थे। अनिल और ब्रजेश ज्वेलर थे। सुरेश सरकारी टीचर थे।

तमिलनाडु में मालगाड़ी पटरी से उतरी, 18 बोगियां जली

एजेंसी/तिरुवल्लूर

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन के पास मनाली से जोलारपेट होते हुए कर्नाटक जा रही एक डीजल मालगाड़ी पटरी से उतर गई। इसके बाद उसमें आग लग गई। शुरूआत में पांच बोगियों में आग लगी। बाद में यह 18 बोगियां आग की चपेट में आ गईं। डीएम एम प्रताप ने बताया कि 40 बोगियों को जलती हुई ट्रेन से अलग कर लिया गया है। वहीं, रेलवे स्टेशन के आसपास रहने वाले लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाया गया। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। मिली जानकारी के मुताबिक 10 गाड़ियों की मदद से आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। इधर, रेलवे और पुलिस घटना वाली जगह से 100 मीटर दूर पटरी पर मिली दरार की भी जांच कर रहे हैं। रेलवे ने एक बयान में बताया कि मालगाड़ी के तीसरे डिब्बे में आग लगने की खबर मिलते ही, लोको पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक



लगाए। तिरुवल्लूर के स्टेशन मास्टर ने ओवरहेड बिजली आपूर्ति बंद रोक दी। हालांकि, जब तक ट्रेन रोकी गई, आग 19वें डिब्बे तक फैल गई थी। इस हादसे के कारण चेन्नई को बैंगलोर, केरल और रेणुगुंटा-तिरुपति से जोड़ने वाले चेन्नई अरकोणम सेक्शन में रेल परिचालन स्थगित करना पड़ा। चेन्नई सेंट्रल से शुरू होने वाली या वहां तक जाने वाली 12 मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया गया, और कई अन्य ट्रेनों का या तो रूट बदल दिया गया या उन्हें बीच में ही रोक दिया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से आए लोग बड़ी संख्या में मिले

बिहार की तरह पूरे देश में वोटर लिस्ट की होगी जांच : ईसी

एजेंसी/नई दिल्ली

चुनाव आयोग बिहार के बाद अब पूरे देश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कराने जा रहा है। इसके तहत वोटर लिस्ट की गहनता से जांच की जाती है और अपडेट किया जाता है। अगस्त से इसकी शुरूआत हो सकती है। आयोग ने सभी राज्यों में अपनी चुनाव मशीनरी एक्टिव कर दी है। आयोग का ये फैसला सुप्रीम कोर्ट के 10 जुलाई को बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को जारी रखने की परमिशन पर आया। कोर्ट ने इसे संवैधानिक बताया था।



हालांकि कई विपक्षी दल और लोग इस रिवीजन के खिलाफ हैं। सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी है। दावा है कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के चलते योग्य नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। चुनाव आयोग के अधिकारी के मुताबिक, इलेक्शन अथॉरिटी 28 जुलाई के बाद अंतिम फैसला लेगी क्योंकि बिहार स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के मामले में सुप्रीम कोर्ट में दोबारा सुनवाई होनी है।

वहीं, कुछ राज्यों के चीफ इलेक्शन ऑफिसर ने अपने राज्यों में पिछली सर के बाद की पब्लिश वोटर लिस्ट जारी करना शुरू भी कर दिया है। दिल्ली सीईओ की वेबसाइट पर 2008 की वोटर लिस्ट उपलब्ध है, जब दिल्ली में आखिरी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन हुआ था। उत्तराखंड में आखिरी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन 2006 में हुआ था। तब की वोटर लिस्ट राज्य की सीईओ वेबसाइट पर उपलब्ध है। राज्यों में आखिरी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कट ऑफ तारीख के तौर पर काम करेगा, क्योंकि बिहार की 2003 की वोटर लिस्ट को चुनाव आयोग स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के लिए यूज कर रहा है। अधिकांश राज्यों में 2002 और 2004 के बीच वोटर लिस्ट में संशोधन किया गया था। बिहार में वोटर लिस्ट वैरिफिकेशन का काम जारी है। इस दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों का दावा है कि बिहार में बड़ी तादाद में विदेशी हैं।



डुमरांव का जर्जर चाणक्य कॉलोनी पथ बना श्रद्धालुओं की परेशानी का कारण

♦ जंगलीनाथ मंदिर जाने वाला मुख्य मार्ग बदहाल, प्रशासन मौन

केटी न्यूज/डुमरांव



शहर का प्रमुख धार्मिक स्थल जंगलीनाथ शिव मंदिर जाने वाला चाणक्य कॉलोनी पथ इस समय अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। श्रद्धालुओं व आम नागरिकों के लिए यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन इसकी जर्जर स्थिति से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर बने गहरे गड्ढे, उसमें पड़े रोड़े और उबड़-खाबड़ सतह अब दुर्घटनाओं को दावत दे रहे हैं। जंगलीनाथ शिव मंदिर डुमरांव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं। खासकर सावन मास में इस मार्ग पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। बावजूद इसके इस महत्वपूर्ण सड़क की अनदेखी नगर परिषद प्रशासन की उदासीनता को दशार्ती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चाणक्य कॉलोनी पथ पिछले कई महीनों से मरम्मति का इंतजार कर रहा है। जगह-जगह गड्ढे बन चुके हैं, जिनमें बरसात के मौसम में पानी भर जाता है। लोग जान जोखिम में डालकर इस रास्ते से गुजरने को मजबूर हैं।

स्थानीय निवासी राजीव कुमार उर्फ बब्लू पाठक, पंकज दूबे आदि बताते हैं कि हर दिन कोई न कोई बाइक सवार इस गड्ढे में गिरता है। कई बार शिकायत करने के बावजूद नगर परिषद से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। एक अन्य निवासी, छोटी देवी कहती हैं कि सुबह-शाम मंदिर जाने वाली महिलाएं और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान हैं। प्रशासन को कम से कम धार्मिक स्थलों तक जाने वाले मार्गों पर ध्यान देना चाहिए। सड़क पर अस्थाई रूप से गड्ढों में रोड़ा डाला गया है, लेकिन यह उपाय नाकाफी है। न तो इससे स्थायी समाधान हुआ है, न ही दुर्घटनाओं की आशंका कम हुई है। पैदल चलने वाले राहगीरों, साइकिल और दोपहिया वाहन चालकों को विशेषकर खतरे का सामना करना पड़ता है।

प्रशासन को आवेदन देने के बाद भी कार्रवाई नहीं

स्थानीय समाजसेवियों ने नगर परिषद से कई बार ज्ञापन देकर सड़क की मरम्मत की मांग की है, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिले हैं। परंतु इसका निर्माण नहीं कराया जा रहा है। जिससे यहां से गुजरने वालों को परेशानी हो रही है। चाणक्य कॉलोनी के पारस सिंह ने बताया कि यह सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा मार्ग है। यदि जल्द ही इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो हम लोग आंदोलन करने को बाध्य होंगे। जर्जर चाणक्य कॉलोनी पथ का समय रहते समाधान नहीं किया गया, तो न केवल श्रद्धालुओं की आस्था प्रभावित होगी, बल्कि दुर्घटनाएं बढ़ने की भी पूरी आशंका है। आवश्यकता है कि नगर प्रशासन इस मुद्दे को गंभीरता से लेकर शीघ्र मरम्मत कार्य शुरू कराए, ताकि श्रद्धालुओं तथा आम राहगीरों को राहत मिल सकें।

बयान : जर्जर चाणक्य कॉलोनी पथ की शीघ्र मरम्मत करवाई जाएगी। फिलहाल सड़क पर डाले गए रोड़े को समतल किया जाएगा, ताकि सावन के दौरान श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं, बरसात बाद सड़क की मरम्मत की करवाई जाएगी। – **मनीष कुमार, ईओ, नगर परिषद, डुमरांव**

एक नजर

डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर ट्रक की टक्कर से बिजली पोल गिरा, आठ घंटे तक बिजली बाधित



डुमरांव। डुमरांव बिक्रमगंज रोड पर शनिवार की देर रात एक अनियंत्रित ट्रक द्वारा बिजली के पोल में टक्कर मार दी गई जिससे पोल पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर सड़क पर गिर गया। इसके कारण पूरे इलाके में आठ घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घटना के बाद सुबह स्थानीय लोगों ने आक्रोशित होकर टूटे पोल को बीच सड़क पर रख दिया और आवागमन को पूरी तरह बाधित कर दिया। गुस्साएं नागरिकों ने बिजली कंपनी के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। उन्होंने बिजली कंपनी मुदार्बाद के नारे लगाते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि कंपनी पूरी तरह निष्क्रिय हो चुकी है और जनता की समस्या से उसका कोई लेना-देना नहीं रह गया है। लोगों ने बताया कि जब भी कंपनी को फोन किया जाता है उन्हें यही जवाब मिलता है कि कर्मी नहीं है कंप्लेंट लिखवा दीजिए। एक व्यक्ति ने बताया कि सुबह कंप्लेंट दर्ज करवाने के बावजूद शाम तक कोई सुधार कार्य नहीं हुआ। इसी लापरवाही से तंग आकर लोगों ने मजबूरी में सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हर बैठक में अधिकारियों द्वारा यह आश्वासन दिया जाता है कि शहर की जर्जर तारों और पोलों को बदला जाएगा लेकिन बैठक के बाद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। गर्मी के मौसम में आठ घंटे तक बिजली नहीं मिलने से हालात और भी बदतर हो गए।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

डुमरांव। नया भोजपुर थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर गांव में रविवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे में 32 वर्षीय युवक मुन्ना चौधरी की तालाब में डूबने से मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब पांच बजे उस समय हुआ जब वह शौच के लिए घर से निकला था। मुन्ना के घर के पीछे ही तालाब स्थित है, जहां पैर फिसलने से उसके गिरने की आशंका जताई जा रही है।परिजनों के अनुसार, मुन्ना चौधरी सुबह रोज की तरह शौच के लिए निकला था, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर उसकी तलाश शुरू की गई। इसी बीच किसी ग्रामीण ने तालाब के किनारे उसके चप्पल और गमछा को देखा। शक होने पर इसकी सूचना चौकीदार के माध्यम से नया भोजपुर थाना को दी गई।सूचना मिलते ही अपर थानाध्यक्ष सुमन कुमार के नेतृत्व में पुलिस दल मौके पर पहुंचा और स्थानीय गोताखोरों की मदद से शव की खोजबीन शुरू की गई। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद मुन्ना का शव तालाब से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान स्वर्गीय रामराज चौधरी के पुत्र के रूप में हुई है।शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मां, पत्नी और अन्य स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। मृतक को एक पुत्र और एक पुत्री भी है। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। पूरा गांव गमगीन माहौल में डूब गया।थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण पैर फिसलना प्रतीत होता है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी।

शराब के नशे में सरपंच पति गिरफ्तार

कृष्णाब्रह्म। बिहार में शराबंदी कानून लागू है। इसे धरातल पर उतारने के लिए पुलिस प्रशासन पंचायत प्रतिनिधियों तथा सामाजिक सरोकार रखने वालों तक से सहयोग की अपील कर रही है तथा लोगों को शराब का सेवन नहीं करने का अलख जगवाया जा रहा है, लेकिन दूसरों को शराब नहीं पीने की सीख देने वाले पंचायत प्रतिनिधि खुद शराब गटक रहे है। ऐसा ही एक मामला कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के कठार पंचायत में सामने आया है, जहां के सरपंच पति लवकुश कुमार को पुलिस ने शराब के नशे में गिरफ्तार किया है। उसके साथ पुलिस ने छोटका ढकाईच गांव से बड़का ढकाईच गांव निवासी रिंकू राम व डुमरांव निवासी पिंटू कुमार को भी शराब के नशे में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है। सरपंच पति की गिरफ्तारी पंचायत में चर्चा का विषय बनी हुई है। लोगों का कहना है कि बिहार में शराबबंदी कानून लागू होने के बाद से पंचायत प्रतिनिधियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ के साथ ही शराब नहीं पीने की शपथ भी दिलाई जा रही है। बावजूद अक्सर पंचायत प्रतिनिधि इस सपथ को तोड़ कानून का उल्लंघन कर रहे है। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष चंचल महंथा ने इस संबंध में बताया कि शनिवार की देर शाम सूचना मिली थी कि कठार व छोटका ढकाईच गांव में शराब के नशे में शराबी उत्पात मचा रहे है। इस सूचना पर पुलिस टीम भेज उन्हें गिरफ्तार करवा मेडिकल जांच करवाया गया।

प्रदर्शनकारियों को आरोप: केवल छोटे दुकानदारों को बनाया जा रहा है निशाना

सावन: रामरेखा घाट से प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण, दुकानदार नाराज

♦ धार्मिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध है रामरेखा घाट, सोमवारी पर जलाभिषेक करने के लिए रविवार को दोपहर बाद से ही उमड़ी है श्रद्धालुओं की भीड़

केटी न्यूज/बक्सर





सावन माह की शुरूआत से पूर्व बक्सर जिले में रामरेखा घाट तक जाने वाले मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करने की प्रशासनिक कार्रवाई ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। यह घाट गंगा स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध है, जहां सावन में हजारों की संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने शनिवार को अतिक्रमण हटाने की मुहिम शुरू की। नगर परिषद की टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से सड़क किनारे लगे ठेले, टीन शेड और अन्य अस्थायी दुकानों को हटाया। हालांकि, यह कार्रवाई स्थानीय दुकानदारों को रास नहीं आई। उनका आरोप है कि बिना किसी पूर्व नोटिस या वैकल्पिक व्यवस्था के उनके व्यवसाय को नुकसान पहुंचाया गया है। रविवार सुबह नाराज दुकानदारों ने रामरेखा घाट जाने वाले मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन कर रहे दुकानदारों का कहना था कि अतिक्रमण हटाने के नाम पर सिर्फ छोटे व्यापारियों को ही निशाना बनाया जा रहा है, जबकि बड़े प्रतिष्ठानों को नजरअंदाज किया जा रहा है।दुकानदार अजय कुमार ने बताया कि वर्षों से उनका व्यवसाय इस मार्ग पर चल रहा है और अचानक बिना चेतावनी के उनकी दुकान तोड़ दी गई, जिससे उनके परिवार की रोजी-रोटी पर संकट आ गया है। उन्होंने प्रशासन से वैकल्पिक स्थल प्रदान करने या उचित मुआवजे की मांग की।वहीं, प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोपरि है। सार्वजनिक रास्ते पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न केवल कानूनन गलत है, बल्कि आमजन की परेशानी का कारण भी बनता है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई किसी के विरुद्ध व्यक्तिगत नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए की जा रही है कि सावन माह में श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।हालात को देखते हुए प्रशासन और दुकानदारों के बीच बातचीत की संभावना जताई जा रही है ताकि धार्मिक अवसर के दौरान शांति और सहयोग बना रहे।

सोमवारी पर बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ को जलाभिषेक के लिए उमड़ती है भीड़ : सावन के पावन महीने में कांवरिए शिवभक्त प्रत्येक रविवार को रामरेखा घाट से गंगाजल लेकर पैदल ब्रह्मपुर जा बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ को जलाभिषेक करते है। इस कारण रविवार को दोहपर बाद से ही रामरेखा घाट पर श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगने लगता है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु रामरेखा घाट पहुंच गंगा स्नान के बाद जल लेकर ब्रह्मपुर के लिए निकलते है। जिस कारण रामरेखा घाट पर भारी भीड़ उमड़ी रहती है। वहीं, रास्ते में अतिक्रमण के कारण श्रद्धालुओं को अक्सर परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिसे देखते हुए प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाया गया है।

पूर्व में ही हटाया गया था अतिक्रमण : प्रशासन की ओर से हर बार अतिक्रमण हटाया जाता है। इसके लिए विशेष अभियान चलता है। परंतु अतिक्रमणकारी इससे बाज नहीं आते है। अतिक्रमण हटाने के साथ ही कुछ ही घंटों में पुनः कब्जा कर लेते है। एक बार अतिक्रमण हटाने के दौरान दुकानदारों ने प्रशासन के अधिकारियों पर हमला तक कर दिया था। जिसमें कुछ अधिकारी व कर्मी जख्मी भी हुए थे। काफी बवाल मचा था। हालांकि बाद में मामले को शांत कर दिया गया। वहीं अधिकारियों कहना है कि इन सभी के अतिक्रमण किए जाने के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी होती है। इन्हें बार चेतावनी दी जाती है। परंतु यह लोग बाज नहीं आते है।

एक शाम शहीदों के नाम : डुमरांव में संगीत और सम्मान के संगम में झूम उठे श्रोता



केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के सर्किट हाउस परिसर में रविवार की शाम देशभक्ति से ओत-प्रोत एक भावपूर्ण आयोजन एक शाम शहीदों के नाम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों की स्मृति को समर्पित था, जिसमें गीत, संगीत और कविता के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आयोजन का उद्देश्य केवल सम्मान प्रकट करना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को वीरों के बलिदान की याद दिलाना भी था।कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसे गृह विभाग के लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी सह क्षेत्रीय सैनिक कल्याण निगम अधिकारी राजेश वर्मा, डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार और बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के बाद मंच पर जब देशभक्ति गीत और कविताएं गूंजने लगीं, तो माहौल एकाएक भावनाओं से भर उठा। एसडीएम राकेश कुमार ने अपने वक्तव्य में डुमरांव के ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित करते हुए 16 अगस्त 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन की घटना का उल्लेख किया, जिसमें चार स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। गायक बृजेश कुमार, साधना झा और अशोक कुमार ने लक्ष्मीकांत झा (आर्गन) और पप्पू राज (ढोलक) की संगत में देशभक्ति गीतों से श्रोताओं का मन मोह लिया।

नावानगर में गदका प्रतियोगिता का आयोजन

नावानगर। मुहर्रम पर्व एक सप्ताह बीतने के बाद रविवार को अंजुमन इस्लामिया हुसैनी कमिटी - नावानगर द्वारा एक भव्य गदका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन लल्लू सिंह के हाता परिसर में सम्पन्न हुआ। जिसका उद्घाटन पैक्स अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह द्वारा किया गया। इस विशेष आयोजन में दो टीमों के बीच गदका का प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम के सफल संचालन में कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रमुख सहयोगियों में डॉक्टर साबिर हुसैन, शोले शबनम, पाले सिद्दीकी, प्रिंस कुमार गुप्ता, समीर, सोनू मिस्त्री, भानु मिस्त्री, मेराज मिस्त्री, शमशेर अंसारी, खुर्शीद सिद्दीकी, शमीम, आकाश कुमार, रेयाज और सदाम का विशेष योगदान रहा। गदका, जो परंपरागत योद्धा कला का प्रतीक है, को युवाओं में जोश और सांस्कृतिक गर्व के रूप में प्रस्तुत किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति थे।

डुमरांव के छठिया पोखरा में एक ही प्रजाति की मछलियों की मौत

♦ स्थानीय लोगों ने जांच का किया मांग

केटी न्यूज/डुमरांव



डुमरांव नगर क्षेत्र स्थित छठिया पोखरा तालाब में एक ही प्रजाति की सैकड़ों मछलियों की एक साथ मौत ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। यह घटना शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि करीब एक बजे की बताई जा रही है। मृत मछलियां तेलपिया प्रजाति की थीं, जबकि तालाब में अन्य मछली प्रजातियां पूरी तरह सुरक्षित पाई गईं। इस असामान्य स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में आशंका और चिंता का माहौल है। तालाब का संचालन एक निजी व्यक्ति के द्वारा किया जा रहा है, जिसे लीज पर दिया गया है। यहां मछली पालन से न केवल जीविकोपार्जन होता है, बल्कि नगर परिषद को भी राजस्व की प्राप्ति होती है। लेकिन इस अप्रत्याशित घटना ने न सिर्फ हजारों रुपए के नुकसान का अनुमान खड़ा कर दिया है, बल्कि जल-प्रदूषण और रख-रखाव को लेकर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। स्थानीय वार्ड पार्षद प्रतिनिधि सोनू राय ने बताया कि अब तक मछलियों की मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। हालांकि प्रथम दृष्टया तालाब के पानी के दूषित होने की आशंका जताई जा रही है। उन्होंने कहा कि चूंकि अन्य प्रजातियों की मछलियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, इसलिए यह मामला सामान्य जैविक कारणों से परे हो सकता है। उन्होंने तापमान और वातावरण में आई अचानक नमी को भी एक संभावित कारण बताया।

चौसा के नारायणपुर में नुक्कड़ नाटक का आयोजन

बक्सर। चौसा नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत नारायणपुर वार्ड में स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नगर पंचायत चौसा ने चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत किया गया, जिसमें कलाकारों की टोली ने अपनी दमदार प्रस्तुति से लोगों को स्वच्छता का महत्व समझाया।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः– सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढेलवानी मोड़, डुमरांव 29 pm

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

डुमरांव प्रखंड क्षेत्र में 12 हजार 500 हेक्टेयर में धान रोपनी का निर्धारित किया गया है लक्ष्य

मानसून की बेरुखी से पिछड़ रही धान की रोपनी, बढ़ी परेशानी

केटी न्यूज/डुमरांव



डुमरांव प्रखंड जो पूर्व से धान उत्पादन के लिए प्रसिद्ध रहा है, इस बार मानसून की बेरुखी और मौसम की तल्खी की वजह से खेती में पिछड़ता नजर आ रहा है। जिले के सभी पंचायतों में बड़े पैमाने पर धान की खेती होती है, लेकिन इस बार हालात काफी चिंताजनक हो गए हैं। अब तक प्रखंड में धान की रोपनी महज 8 प्रतिशत ही हो पाई है, जबकि रोपनी का सबसे उपयुक्त समय 15 जुलाई तक माना जाता है। किसानों की मानें तो मानसून की अनियमितता और भीषण गर्मी के कारण खेतों में नमी नहीं है, जिससे रोपनी करना बेहद मुश्किल हो गया है। फिलहाल किसान रोपनी की योजना छोड़कर बिचड़ा बचाने की जद्दोजहद में लगे हैं। जिन किसानों ने रोहिणी नक्षत्र में बिचड़ा डाला था, वे अब चिंता में हैं क्योंकि समय पर रोपनी नहीं होने से बिचड़ा सूखने की कगार पर पहुंच गया है।

बिचड़ा सूखने की कगार पर, इंद्रदेव को मनाने में जुटे किसान: खलवा इनार के किसान मनोज यादव, अमसारी के दुर्गेश सिंह, कोरानसराय के दयाशंकर तिवारी और मठिला के संतोष सिंह ने बताया कि क्षेत्र में बारिश बहुत कम हुई है, जिससे खेतों में अभी रोपनी के लिए पर्याप्त नमी नहीं है। नहरों में भी पानी नहीं आ पाया है। ऐसे में किसानों के पास कोई विकल्प नहीं बचा है और वे इंद्रदेव को प्रसन्न करने के उपायों में लगे हैं, ताकि मानसून सक्रिय हो और खेती शुरू की जा सके।

12,500 हेक्टेयर में रोपनी का लक्ष्य, अब तक सिर्फ 8 प्रतिशत: कृषि विभाग के अनुसार, इस खरीफ सीजन में डुमरांव प्रखंड में कुल 12,500 हेक्टेयर क्षेत्र में धान की रोपनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लेकिन 11 जुलाई तक की रिपोर्ट के अनुसार, केवल 8 प्रतिशत खेतों में ही रोपनी हो पाई है। कृषि समन्वयक राजीव रंजन ने बताया कि हालांकि किसान पूरे जुलाई महीने तक रोपनी करते हैं, लेकिन 15 जुलाई तक का समय सबसे अनुकूल माना जाता है। ऐसे में अगर जल्द ही मानसून सक्रिय नहीं हुआ तो रोपनी का लक्ष्य हासिल करना विभाग और किसानों दोनों के लिए बेहद मुश्किल होगा। जिन किसानों ने किसी तरह रोपनी करा भी ली है, वे भी अब अपनी फसल को बचाने में परेशान हो रहे है। किसानों का कहना है कि तल्ख धूप व उमस भरी गर्मी के कारण खेतों की नमी तेजी से गायब हो रही है, जिस कारण फसल पीला पड़ रहा है।राजीव रंजन ने बताया कि जुलाई महीने में सामान्य रूप से 277.20 मिमी वर्षा होती है, लेकिन इस वर्ष 11 जुलाई तक केवल 62.59 मिमी ही वर्षापात दर्ज किया गया है। यह औसत का मात्र 25 से 30 प्रतिशत ही है। बारिश की इस भारी कमी ने पूरी खेती की संभावनाओं पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

संक्षिप्त समाचार

बाबाधाम पहुंचे सांसद पप्पू यादव, दिशोम गुरु के बेहतर स्वास्थ्य के लिए की प्रार्थना,

देवघर, एजेंसी। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने श्रावणी मेला के दूसरे दिन बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचे और भगवान भोलेनाथ के ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के बेहतर स्वास्थ्य की प्रार्थना की। उन्होंने झारखंड के लोगों के बेहतर भविष्य की भी कामना की। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने विकास की एक बेहतर लकीर खींची है। इसी तरह हैदराबाद और कर्नाटक में भी कांग्रेस की सरकार महिलाओं के लिए बेहतर कार्य कर रही है। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि जिस तरह से झारखंड में महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के तहत तीन हजार रुपये प्रति माह मिल रहे हैं, वैसे ही बिहार में माय–बहिन योजना के तहत महिलाओं को आर्थिक मदद पहुंचाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि इंडिया गठबंधन की सरकार बिहार में बनती है तो वह बिहार की महिलाओं को आर्थिक मदद कर उन्हें सशक्त बनाने का काम करेंगी। उन्हें किसी के भरोसे नहीं रहना होगा। वहीं, हेमंत सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस प्रकार से झारखंड में हेमंत सोरेन की पार्टी ने कांग्रेस व अन्य राजनीतिक दलों को सम्मान दिया है, वैसे ही बिहार चुनाव में भी झारखंड मुक्ति मोर्चा को सम्मान मिलना चाहिए। इस दौरान उन्होंने इंडिया गठबंधन से मांग की कि बिहार चुनाव में झामुमो को सात से आठ सीटों पर चुनाव लड़ने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि इंडिया गठबंधन व्यापक जीत चाहती है तो सभी छोटे–मोटे राजनीतिक दलों को एकजुट करें। सभी बड़े राजनीतिक दल अपने अहंकार को खत्म करें। सासंद ने कहा कि गठबंधन में किस पार्टी के पास कितने प्रतिशत वोट है, इसे ना देखें बल्कि सभी को सम्मान देते हुए सबको एक प्लेटफार्म पर लाएं ताकि भाजपा को भारी अंतर से हराया जा सके। गौरतलब है कि बिहार में जल्द ही चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां तैयारी में जुटी हुई है। सभी पार्टियां ज्यादा से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की रणनीति बना रही है। झारखंड मुक्ति मोर्चा भी चुनाव लड़ना चाहती है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि मजबूत जनाधार नहीं होने के कारण इंडिया गठबंधन में उन्हें जगह नहीं मिल रही है।

चाईबासा में जवानों ने नक्सलियों के बंकर किए तबाह, 2 आईईडी समेत अन्य सामग्री बरामद

चाईबासा, एजेंसी। कोबरा 209 और जिला पुलिस बल द्वारा संयुक्त दल बनाकर नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान किया गया। इस दौरान छोटानागरा थानान्तर्गत जंगली पहाड़ी के क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा पूर्व से लगाये गये लगभग 2 आईईडी और अन्य दैनिक सामग्री 5 नक्सल बंकर से बरामद की गई है। बरामद आईईडी को सुरक्षा की दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता की सहायता से नष्ट कर दिया गया। इसके साथ ही नक्सल बंकर को सुरक्षा बलों ने ध्वस्त कर दिया ।पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने जानकारी दी कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओ) के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा एवं अन्य नक्सली अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील हैं। जिसके चलते चाईबासा पुलिस, कोबरा, सीआरपीएफ और झारखंड जगुआर की टीमों का संयुक्त दल गठित कर लगातार अभियान का संचालन किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा को 7.7.2025 को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि प्रतिबंधित भाकपा (माओ) नक्सली संगठन के उग्रवादियों के द्वारा छोटानागरा थानान्तर्गत जंगली पहाड़ी क्षेत्र में गोला बारूद छिपाकर सुरक्षाबलों के खिलाफ उनका अभियान रोकने और लक्षित कर नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से रखा गया है। जिसके आलोक में झारखंड पुलिस (चाईबासा पुलिस) एवं कोबरा 209 बटालियन के साथ एक संयुक्त अभियान दल का गठन करते हुए 8 जुलाई को छोटानागरा थानान्तर्गत जंगली पहाड़ी क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू किया गया था ।संयुक्त अभियान दल के द्वारा अग्रतर सर्च अभियान के दौरान शुक्रवार को छोटानागरा थानान्तर्गत जंगली पहाड़ी के क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा पहले से लगाए गए लगभग 2 आईईडी समेत लगभग 5 नक्सल बंकरों से दैनिक सामग्री बरामद की गई है।

धनबाद में सावन की धूम, कई संस्थाएं कर रही कार्यक्रम, प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

धनबाद, एजेंसी। सावन माह के आगमन के साथ ही कोयलांचल धनबाद में उत्सव का माहौल शुरू हो गया है। जिले की विभिन्न सामाजिक संस्थाएं सावन उत्सव के भव्य आयोजनों की तैयारी में जुटी हैं, जिसमें खासकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

इस दौरान महिलाएं हरी चूड़ी और हरी साड़ी पहनकर एकजुट होंगी और पारंपरिक सावन गीतों पर नृत्य व संगीत के माध्यम से अपनी खुशी का इजहार करेंगी। कई संस्थाएं इस अवसर पर सावन मेले का भी आयोजन किया जाएगा।

जहां लजीज पकवानों और विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का भी प्रबंध होगा। सावन उत्सव में झूला झूलना एक विशेष आकर्षण रहेगा और कई जगहों पर पौधारोपण जैसे नेक कार्य भी किए जाएंगे।

धनबाद गुजराती महिला मंडल 25 जुलाई को जैन मिलन में एक भव्य सावन उत्सव का आयोजन कर रहा है। इस उत्सव में नृत्य नाटिका, संवाद और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता जैसे मनोरंजक कार्यक्रम होंगे।

ये आयोजन विशेष रूप से शिव परिवार की झांकी पर आधारित होंगे। मंडल की सभी महिला सदस्य हरे रंग की साड़ी और चूड़ियां पहनकर उत्सव में चार चांद लगाएंगी, जो सावन के पारंपरिक रंग को दर्शाता है।

वहीं, ब्राह्मण महिला मंडल 19 जुलाई को अपना सावन महोत्सव मनाएगा। इस आयोजन में मंडल की दो दर्जन से अधिक सदस्य शामिल होंगी। कार्यक्रम में हाउजी गेम, संगीत, विशेष वेशभूषा के साथ अंताक्षरी और स्वादिष्ट अल्पाहार की व्यवस्था की गई है।

सभी महिलाएं एक साथ मिलकर सावन के इस



उत्सव का आनंद लेंगी, जो उन्हें एक-दूसरे के करीब आने और अपनी सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने का अवसर प्रदान करेगा।

बंगाली समुदाय की महिलाएं सिटी सेंटर में 20 जुलाई को एक शानदार श्रावणी महफिल का आयोजन करने जा रही हैं। इसमें समुदाय की महिलाओं का एक समूह इस कार्यक्रम में नृत्य और गायन के साथ सावन उत्सव मनाएगा। यह आयोजन सावन के पवित्र महीने का स्वागत करने के लिए समर्पित होगा, जिसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम रहेगी।

मारवाड़ी महिला समिति सरायढेला शाखा 13 जुलाई को हीरापुर स्थित अग्रसेन भवन में सावन मेले का आयोजन कर रही है। इस मेले में राखी, कपड़े, ज्वेलरी, होम डेकोरेटिव आइटम्स और स्वादिष्ट पकवानों के स्टाल लगाए जाएंगे।

महिलाओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता और बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

जीतो महिला विंग धनबाद शाखा सावन के अवसर पर 12 और 13 जुलाई को धनसार स्थित होटल सिद्धि विनायक में उड़ान नामक दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन करेगी।

इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों और शहरों से आकर लगभग 50 स्टाल लगाए जाएंगे, जिनमें आकर्षक राखी, कपड़े, ज्वेलरी और घर सजावट के सामान उपलब्ध होंगे।

भोलेनाथ के भक्तों की सेवा में जुटे युवा, कांवरियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, रातभर तैनात रहेगी पुलिस

गिरिडीह, एजेंसी। 11 जुलाई से सावन का महीना शुरू हो चुका है। कल इस पवित्र माह की पहली सोमवारी भी है। ऐसे में बाबा भोले की नगरी जाने वालों का तांता लगा हुआ है। जबकि हजारों लोग श्रावण माह के शुरू दिन से ही शिवलिंग और जलार्पण कर वापस लौट रहे हैं। ऐसे में भोलेनाथ के भक्तों की सेवा में लोग जुट गए हैं। कई संस्था और युवाओं की टोलियों द्वारा जगह-जगह शिविर लगाया गया है।

गिरिडीह के डुमरी में भी प्रेस क्लब द्वारा शिविर लगाया गया है। यहां कांवरियों की सेवा में स्थानीय पत्रकारों के साथ-साथ कई लोग जुटे हुए हैं। इस शिविर का निरीक्षण जिले के पुलिस कप्तान डॉ बिमल कुमार ने भी किया है। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने शिविर में कांवरियों को दी जा रही सुविधा की जानकारी ली। क्लब के अध्यक्ष संजय जायसवाल और संरक्षण मनोज सिंह ने एसपी को बताया कि शिविर में पेयजल, चिकित्सा सहायता, ठहरने की व्यवस्था, मोबाइल टॉयलेट्स की व्यवस्था की गई है।

इससे पहले शिविर का उद्घाटन अंचलाधिकारी सह प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी शशि भूषण वर्मा, इंस्पेक्टर राजेंद्र प्रसाद, बीस सूत्री अध्यक्ष डेगलाल महतो, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राज कुमार महतो, जिप सदस्य सुनीता देवी, भाजपा नेता जीवाधन महतो, आजसू नेता छक्कन महतो एवं जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं भगवान शिव की पूजा अर्चना कर किया।

इधर, कांवरियों की सुरक्षा को लेकर एसपी डॉ बिमल कुमार ने पुख्ता तैयारी कर रखी है। चूंकि गिरिडीह के सभी मार्ग से होकर कांवरियां आते-जाते हैं। कई मार्ग घने जंगल है और रास्ता भी सुनसान है, ऐसे में मार्ग में सुरक्षा की व्यवस्था को पुख्ता किया गया। एसपी द्वारा रात में खुद ही मार्ग का निरीक्षण किया गया और थानेदार को सीधा निर्देश दिया गया है। इस दौरान बताया गया कि शाम 8 बजे से अगले दिन सुबह 4 बजे तक पुलिस पदाधिकारी और जवान खुद ही मार्ग में उपस्थित रहेंगे। कांवरियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसका भी ख्याल रखा जाएगा।

एसपी ने रात के समय नेशनल हाईवे के किनारे स्थित कई ढाबा और लाइन होटल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान होटल में साफ - सफाई रखने के साथ-साथ नशे का सामान नहीं बेचने की हिदायत ढाबा-होटल संचालक को दी गई।

215 करोड़ की लागत से बनेगा टाइगर सफारी! बेतला में 300 एकड़ में 2027 तक हो जाएगा तैयार

पलामू, एजेंसी। पीटीआर के बेतला नेशनल पार्क के इलाके में 300 एकड़ में टाइगर सफारी बनाया जाएगा। टाइगर सफारी को बनाने की लागत करीब 215 करोड़ होगी। वहीं, पलामू किला का 40 से 50 करोड़ रुपए की लागत से जीर्णोद्धार कार्य किया जाएगा। दोनों योजनाओं को 2027 तक पूरा कर लेने का टारगेट है।

टाइगर सफारी को लेकर वैधानिक मंजूरी मिल गई है। दोनों योजनाओं को लेकर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर एवं विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में वन एवं पर्यावरण सचिव अबूबकर सिद्दीकी, पर्यटन सचिव मनोज कुमार, निदेशक संस्कृति आसिफ एकराम, प्रबंध निदेशक झारखंड राज्य वन निगम वाईके दास, पलामू टाइगर रिजर्व के निदेशक एसआर नटेश मौजूद थे।

बैठक में ऐतिहासिक पलामू किला के जीर्णोद्धार एवं बेतला नेशनल पार्क के पास बनने वाले 300 एकड़ में टाइगर सफारी पर चर्चा हुई। पलामू किला के जीर्णोद्धार के लिए अनुभवी कंसल्टेंट द्वारा प्रतिवेदन तैयार



कराया जाएगा। उसके बाद उसे मंजूरी देकर 40 से 50 करोड़ रुपए की लागत से जीर्णोद्धार कार्य किया जाएगा। 2025- 26 के बजटीय भाषण में भी पलामू करला के जन्मदर का जिक्र किया गया था।

बैठक में कहा गया कि बेतला नेशनल पार्क के पास टाइगर सफारी निर्माण के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया गया था। प्रस्ताव को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से संवैधानिक सहमति प्राप्त कर ली गई है। बैठक में विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू एवं मित्र मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने अधिकारियों से कहा कि पलामू किला का जीर्णोद्धार एवं टाइगर प्रोजेक्ट झारखंड का एक ड्रीम प्रोजेक्ट है। दोनों योजनाओं को निर्धारित प्रक्रियाओं को पूरा कर 2027 तक पूरा कर लिया जाए।

एचईसी सप्लाई कर्मियों का आंदोलन 11वें दिन भी रहा जारी, निकाला गया जुलूस

रांची , एजेंसी। एचईसी (हैवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन) में कार्यरत सप्लाई कर्मियों का आंदोलन शुक्रवार को 11वें दिन भी पूरे जोर-शोर से जारी रहा। आंदोलनकारी सप्लाईकर्मी नेहरू पार्क से जुलूस की शक्ल में निकले और एचईसी मुख्यालय पहुंचकर वहां जबरदस्त प्रदर्शन और सभा की। कर्मचारियों की भीड़ इतनी अधिक थी कि मुख्यालय के सामने सड़क पर जाम जैसे हालात बन गए। नारों, पोस्टरों और लाल झंडों के बीच मजदूरों का गुस्सा साफ नजर आया।

सभा को संबोधित करते हुए कई वक्ताओं ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर अभी भी कर्मचारी एकजुट नहीं हुए तो आने वाले दिनों में उनका भविष्य पूरी तरह अंधकारमय हो सकता है। वक्ताओं



ने मेकॉन का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह वहां आउटसोर्सिंग एजेंसियों ने सप्लाई कर्मियों को अचानक काम पर आने से रोक दिया, वही स्थिति जल्द एचईसी में भी हो सकती है।

कर्मचारियों का आरोप है कि प्रबंधन उनके साथ लगातार धोखा कर रहा है। पांच महीने तक ईएसआई की राशि जमा नहीं की गई और जब सवाल किया गया तो कहा गया कि काम ही नहीं हुआ। ऐसे प्रबंधन पर कैसे विश्वास किया जाए वक्ताओं ने कहा कि सप्लाई कर्मियों को मिलने वाली रविवार की छुट्टी, अर्जित अवकाश, आकस्मिक अवकाश , महंगाई भत्ता और क्वार्टर की सुविधा पहले से हुए समझौतों के तहत दी जाती है।

अगर प्रबंधन इन्हें छीनने की कोशिश करेगा तो मजदूर कानूनी लड़ाई में उतरेंगे। सभा में यह भी कहा गया कि यह आंदोलन केवल वेतन या सुविधा का नहीं, सम्मान और अधिकार का आंदोलन है। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि जो भी अधिकार कर्मचारियों को मिले हैं, वे संघर्ष और लामबंदी से ही मिले हैं, न कि किसी दया से।

वक्ताओं ने झारखंड सरकार के श्रम मंत्री का भी हवाला दिया, जिन्होंने हाल ही में स्पष्ट कहा था कि एचईसी के ठेका मजदूरों की सुविधाएं छीनी नहीं जाएंगी। मंत्री के बयान के बावजूद प्रबंधन के रवैये में कोई बदलाव नहीं आया है, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो रही है। आज की सभा को रनथू लोहरा, मनोज पाठक, राजेश शर्मा, वाई त्रिपाठी, शारदा देवी, रोहित पांडेय, मोईन अंसारी, प्रेम नाथ शाहदेव, ओवैसी आजाद और सुनील कुमार सहित कई नेताओं ने संबोधित किया।

एमजीएम अस्पताल में MR की एंट्री पर रोक, बाहर की दवा लिखने पर होगी कार्रवाई

जमशेदपुर, एजेंसी। डिमना चौक स्थित महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कॉलेज परिसर में बने नए अस्पताल में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स (एमआर) की आवाजाही पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है।

साथ ही, चिकित्सकों को अस्पताल की ही दवाएं लिखने का निर्देश दिया गया है। यह फैसला हाल ही में अस्पताल में हुई नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की जांच के बाद लिया गया है, जिसमें एमआर को परिसर में घूमते हुए पाया गया था। इसपर आयोग ने नाराजगी जताई और तत्काल सख्त निर्देश जारी किए।

अधिकारी स्तर पर तुरंत कार्रवाई करते हुए अधीक्षक डॉ. आरके मंधान ने एमजीएम अस्पताल परिसर में एमआर की आवाजाही पर रोक लगाने का आदेश



जारी किया है।

उन्होंने कहा है कि यदि कोई एमआर अस्पताल में घूमते या किसी चिकित्सक से संपर्क करते हुए पाया जाता है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कदम मरीजों के हित और अस्पताल की छवि को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

अधीक्षक ने इस संदर्भ में सभी विभागाध्यक्षों को लिखित निर्देश भी जारी किया है। उन्होंने कहा है कि सभी डॉक्टरों को अस्पताल में उपलब्ध दवाएं ही मरीजों को लिखनी होंगी। इसे लेकर सभी विभागाध्यक्षों को अस्पताल में मौजूद दवाओं की सूची भी सौंपी गई है। ताकि किसी तरह की संशय की स्थिति नहीं रहें।

अधीक्षक ने कहा है कि बिना कारण अस्पताल के बाहर की महंगी दवाएं लिखना मरीजों पर आर्थिक बोझ डालता है और इससे अस्पताल की साख भी प्रभावित होती है।

हाल के वर्षों में कई एमआर अस्पताल परिसर में बेरोकटोक घूमते देखे गए थे। इससे यह आशंका बनी रहती है कि बाहर की कंपनियों के दबाव में महंगी दवाएं मरीजों को लिखी जा रही हैं। एनएमसी की टीम ने निरीक्षण के दौरान इसे गंभीर अनियमितता माना और इस पर तत्काल रोक लगाने की सिफारिश की।

बिहार इंडिया ब्लॉक में झारखंड मुक्ति मोर्चा की फिर हुई उपेक्षा, बैठक का नहीं मिला न्योता!

रांची, एजेंसी। आसन्न बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर बिहार इंडिया ब्लॉक की शनिवार को पटना में बैठक है। बिहार में इंडिया ब्लॉक के तहत महागठबंधन की यह तीसरी बैठक है, जिसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा को नजरअंदाज किया गया है।

इसको लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता और केंद्रीय समिति सदस्य मनोज पांडेय ने कहा कि पार्टी को बैठक की सूचना या उसमें शामिल होने का न्योता नहीं दिया गया है। इसलिए पार्टी का कोई प्रतिनिधिमंडल बैठक में शामिल नहीं हुआ है।

बिहार की राजधानी पटना में आज होनेवाली इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल होने का न्योता भले ही झारखंड मुक्ति मोर्चा ने उम्मीद नहीं छोड़ी है। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि वह हताश नहीं है। पार्टी को पूरी उम्मीद है कि बिहार विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा को स्थान जरूर मिलेगा। मनोज पांडेय ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बात राजद और कांग्रेस के शीर्षस्थ नेताओं से हुई है और पूरी उम्मीद है कि बिहार में झामुमो को भी सीट मिलेगी।पटना में हो रही इंडिया ब्लॉक की बैठक में फिर झारखंड मुक्ति मोर्चा को नजरअंदाज करने के मुद्दे पर प्रदेश भाजपा ने पार्टी पर तंज कसा है। झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह ने कहा कि अपनी उपेक्षा के बावजूद हताश नहीं होने की बात कर खुद को सिर्फ तसल्ली दे रहे हैं। झारखंड में झामुमो के साथ कांग्रेस और राजद सरकार चला रही है फिर भी बिहार में झामुमो को पूछा नहीं जा रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि दरअसल इंडिया ब्लॉक में अंतर्द्वंद्व इतना अधिक है कि किसी भी समय बिहार में इंडिया ब्लॉक बिखर सकता है।झारखंड मुक्ति मोर्चा की बिहार इकाई ने अपने केंद्रीय इकाई को बिहार की 16 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताते हुए संभावित विधानसभा सीटों की सूची भेजी है। बिहार झामुमो की इकाई ने जिन 16 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुशंसा की है। इन सीटों में कटोरिया, चकाई, ठाकुरगंज, कोचाधामन, रानीगंज, बनमनखी, धमदाहा, रुपौली, प्राणपुर, छातापुर, सोनवर्षा, झाझा, रामनगर, जमालपुर, तारापुर और मनिहारी विधानसभा सीट शामिल है।

श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन का रूट, समय और दिन बदला, रांची-भागलपुर एक्सप्रेस अब नए मार्ग और समय पर चलेगी

रांची, एजेंसी। श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने रांची और भागलपुर के बीच चलने वाली श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन की समय-सारणी, मार्ग, परिचालन दिवस और ट्रेन संख्या में संशोधन किया है। अब यह ट्रेन नए नंबर और नए रूट के साथ चलाई जाएंगी। यह व्यवस्था 12 जुलाई 2025 से लागू होगी और 12 अगस्त 2025 तक प्रभावी रहेगी।

रेलवे के अनुसार, रांची से भागलपुर के लिए अब ट्रेन संख्या 08610 के तहत श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। यह ट्रेन 12 जुलाई से 11 अगस्त 2025 तक हर शनिवार और सोमवार को रांची से चलेगी। कुल 10 फेरे लगाए जाएंगे। यह ट्रेन रांची, मूरी, बोकारो स्टील सिटी, धनबाद,



जसीडीह, किउल और सुल्तानगंज होते हुए भागलपुर पहुंचेगी। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से रांची रेल मंडल ने इसकी जानकारी दी है।

रांची से रात 11: 00 बजे प्रस्थान करेगी। मूरी में 00: 05 बजे पहुंचेगी और 00: 07 बजे रवाना होगी। बोकारो स्टील सिटी में 01: 15 बजे, धनबाद में 04: 05 बजे, जसीडीह में सुबह 07: 20 बजे, किउल में 09: 55 बजे, सुल्तानगंज में 11: 57 बजे और भागलपुर दोपहर 1: 00 बजे पहुंचेगी। वहीं, भागलपुर से रांची लौटने वाली ट्रेन अब 08689 नंबर से चलाई जाएगी। यह ट्रेन 13 जुलाई से 12 अगस्त 2025 तक हर रविवार और मंगलवार को भागलपुर से रवाना होगी। कुल 10 बार यह ट्रेन चलेगी। यह ट्रेन भागलपुर, देवघर, जसीडीह, किउल, कोडरमा, हजारीबाग टाउन, बरकाकाना और मूरी होते हुए रांची पहुंचेगी।

इस ट्रेन की समय-सारणी इस प्रकार है : भागलपुर से दोपहर 1: 50 बजे रवाना होगी। देवघर में 4: 20 बजे, जसीडीह में 4: 35 बजे, किउल में 7: 20 बजे, कोडरमा में 11: 20 बजे, हजारीबाग टाउन में 12: 40 बजे, बरकाकाना में 2: 15 बजे, मूरी में 3: 58 बजे रुकेगी और रांची सुबह 5: 45 बजे पहुंचेगी।

यात्री सुविधा के लिए कोच

दोनों दिशाओं में चलने वाली इस विशेष ट्रेन में कुल 14 कोच लगाए गए हैं, जिनमें 2 एसएलआरडी (लगेज सह गार्ड कोच), 3 सामान्य श्रेणी कोच और 9 स्लीपर क्लास कोच होंगे। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पहले ट्रेन के समय और उपलब्धता की जानकारी संबंधित रेलवे स्टेशन या आधिकारिक पोर्टल से प्राप्त कर लें। यह व्यवस्था पूरी तरह श्रावणी मेला की भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने के लिए की गई है।

झारखंड में पर्यटन और खेल को बढ़ावा देंगे महेंद्र सिंह धोनी, मंत्री सुदिव्य कुमार ने मुलाकात के बाद जताई उम्मीद

रांची, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के सफल कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी इन दिनों रांची में हैं। अक्सर जेएससीए स्टेडियम में नजर आ रहे हैं। आए दिन सिमलिया स्थित अपने फार्म हाउस से एक से बढ़कर एक गाड़ियों को ड्राइव करते हुए नजर आ रहे हैं। इस बार राज्य के पर्यटन, खेलकूद, कला संस्कृति और युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने उनकी तस्वीर साझा की है। उन्होंने इस मुलाकात को बेहद खास बताया है।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा आज झारखंड के गौरव, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से मुलाकात हुई। इस दौरान राज्य में पर्यटन एवं खेल गतिविधियों के विकास को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। मुझे पूर्ण विश्वास है कि झारखंड में खेल और पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में धोनी जी का सहयोग राज्य सरकार को प्राप्त होगा।

इस मुलाकात के दौरान झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव भी मौजूद थे। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने मुलाकात के दौरान एमएस धोनी को भगवान बिरसा मुंडा की एक प्रतिमा सप्रेम भेंट की है। उन्होंने धोनी के साथ कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडीया में पोस्ट की है।

सुभाषितम्

ईश्वर से की गई प्रार्थना इन शक्तियों को विकसित करने में मदद करती है। - अब्दुल कलाम

धोखाधड़ी ओर घोटाले बने भारत की पहचान?

2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। तब उनकी छवि एक ऐसे सशक्त नेता के रूप में थी। जिसमें भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं था। सरकारी घोटाले और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए, उन्होंने जो वायदे किए थे। उसके बाद यह माना गया था, उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत में भ्रष्टाचार घोटाला और अपराधों में भारी कमी आएगी। 11 वर्षों से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के पद पर हैं। इसके बाद भी घोटाले, भ्रष्टाचार और अपराधिक घटनाओं में कमी होने के स्थान पर लगातार वृद्धि हो रही है। दुनिया के देशों में भारत की एक नई छवि विकसित हो रही है। भारत को भ्रष्टाचार,घोटाले और धोखाधड़ी के सरताज के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश के आर्थिक अपराध अनुसंधान के अधिकारियों ने 49000 करोड रुपए की ठगी का पदार्फाश किया है। निवेशकों को लुभावूनी योजनाओं का झांसा देकर 49000 करोड रुपए की लूट की गई है। अपराध शाखा ने पर्ल्स एग्रोटेक कॉरपोरेशन लिमिटेड के मलिक गुरनाम सिंह को पंजाब के रोपड़ से गिरफ्तार किया है। यह भारत का सबसे बड़ा ठगी का घोटाला है। इसके पहले सीबीआई ने पोंजी स्कीम मामले में इसे गिरफ्तार किया था। यह जमानत पर चल रहा है। इसके बाद भी इसका ठगी और घोटाले का कारोबार चलता चला आ रहा है। इसी तरह का एक मामला मध्य प्रदेश के इंदौर में उजागर हुआ है। ट्रेडिंग के नाम पर निवेश की गई राशि को डबल करने के नाम पर पांच राज्यों के निवेशकों से ठगी की गई। 2400 करोड़ की ठगी का यह मामला इंदौर में सामने सामने आया है। यह ठगी एफएक्स और यार्कर कैपिटल फर्म के जरिए देश के पांच राज्यों में की गई है। इंदौर एसटीएफ को जांच के दौरान हरियाणा के एक कमरे से कंपनी चला रहे, मालिकों के पास से 300 करोड़ से ज्यादा के संदिग्ध लेनदेन के सबूत प्राप्त हुए हैं। इंदौर एसटीएफ ने 150 करोड रुपए की राशि को फ्रीज किया है। इन कंपनियों के बारे में सूचना केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईडी को दी गई है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने झांगूर बाबा को धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार किया है। उत्तर प्रदेश की पुलिस को 500 करोड़ रुपए से ज्यादा का विदेशी लेनदेन के सबूत मिले है। इस बाबा ने विदेशी धन का उपयोग धर्मांतरण के लिए किया है। इस तरह के अपराधों को रोकने के लिए ही केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय को असीमित अधिकार दिए गए थे। विदेश से जो धन आ रहा था, उसको पकड़ पाने में ईडी असफल साबित हुई। 2015 से 2025 के बीच में सैकड़ों घोटाले सामने आए है। उनके कोई सबूत नहीं थे, सरकारों ने राजनैतिक आरोप मानकर उनकी जांच भी नहीं कराई। जिसके कारण अधिकृत आंकड़े कभी सामने नहीं आए। जिन मामलों में जानकारी निकाल कर सामने आई है। इसमें एबीजी शिपयार्ड घोटाला लगभग 22800 करोड़ का है। 28 बैंकों के साथ धोखाधड़ी की गई है। नीरव मोदी का पंजाब नेशनल बैंक घोटाला लगभग 14000 करोड रुपए का है। इसने फर्जी दस्तावेजों के जरिए बैंकों को चूना लगाया और विदेश भाग गया। नीरव मोदी और मेहुल चौकसी आज भी भगडों की सूची में शामिल है। विजय माल्या की किंगफिशर एयरलाइंस घोटाला 9000 करोड रुपए का है। वह भी भारत छोड़कर विदेश में रह रहे हैं। पिछले 6 साल से उसे भारत लाने की कोशिश भारत सरकार कर रही है। अभी तक उन्हें भारत नहीं लाया जा सका है। 2018 से 2023 के बीच में अल्पसंख्यक पेंशन में 14483 करोड रुपए का घोटाला सामने आया। यह घोटाला 34 राज्यों में 1572 संस्थाओं के माध्यम से किया गया। अभी इसकी सीबीआई जांच ही चल रही है। कुछ खातों को फ्रीज कर दिया गया है, लेकिन मामला अभी भी ढाक के पात है। 2025 में उत्तर प्रदेश का बीमा घोटाला सामने आया है। इसमें बीमार लोगों को निशाना बनाकर बीमा पॉलिसी के जरिए करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की गई है।

चिंतन-मनन

प्रकाशस्त्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्त्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है। भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं। श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है। वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है। वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

बिहार तक गूंजेगी मध्यप्रदेश के निषादराज सम्मेलन की गूँज

हर्षवर्धन पान्डे



बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में 12 जुलाई को आयोजित हुआ निषादराज सम्मेलन न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि इसके गहरे सियासी मायने भी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य मछुआ समुदाय को सशक्त बनाना, उनकी परंपराओं का सम्मान करना और सामाजिक सदभाव को बढ़ावा देना है। निषादराज सम्मेलन रामायण के पात्र निषादराज गुह से प्रेरित रहा जिन्हें प्रभु श्री राम के प्रति उनकी भक्ति और समर्पण के लिए जाना जाता है।निषादराज ने प्रभु श्री राम, लक्ष्मण और सीता माता को गंगा पार करने में सहायता प्रदान की थी जिसे सामाजिक समरसता का बड़ा प्रतीक माना जाता है। इस तरह के बड़े सम्मेलन का आयोजन देश के हृदयप्रदेश मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक नगरी उज्जैन में करके मोहन सरकार ने निषाद समुदाय को यह संदेश दे रही है कि वह विरासत से विकास के अपने विजन पर मजबूती के साथ काम कर रही है। यह कदम सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ इस समुदाय के बीच अपनी पैठ को मजबूत करने की रणनीति का एक हिस्सा भी है।

मध्यप्रदेश में मछुआ समुदाय की आबादी विशेष रूप से उज्जैन, नरसिंहपुर और होशंगाबाद में उल्लेखनीय है। यह समुदाय परंपरागत रूप से मत्स्य पालन और नदी-आधारित आजीविका पर निर्भर है। हालांकि यह समुदाय ओबीसी समुदायों जितना प्रभावशाली नहीं है फिर भी यह कई विधानसभा क्षेत्रों में जातिगत समीकरणों को प्रभावित करता दिखाई देता है। निषादराज सम्मेलन के आसरे भाजपा इस समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति को बेहतर करने की दिशा में अपने कदम मजबूती एक साथ प्रदेश की सियासत में बढ़ा रही है।

मध्यप्रदेश आज मत्स्य उत्पादन और मछुआ समाज के सशक्तिकरण के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और मुख्यमंत्री मछुआ कल्याण योजना जैसे नवाचारों ने हजारों मछुआरों के जीवन में नई आशा की किरण जगाई है। ड्रोन और जीपीएस प्रणाली जैसे नवाचार और योजनाएँ मध्यप्रदेश को मत्स्य पालन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सधे हुए कदम हैं। इससे ग्रामीण समुदायों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 22 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से 453 स्मार्ट फिश पार्लर का भूमि-पूजन और इंदिरा सागर बांध में लगभग 92 करोड़ लागत से 3360 केज परियोजना का वर्चुअल भूमि-पूजन किया और कहा कि अब मछली पालन सिर्फ पारम्परिक कार्य नहीं, एक आधुनिक उद्योग है। इसमें निवेश बढ़ेगा, उत्पादन बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा और सरकार मत्स्य पालन के लिए मछुआरों को अनुदान देगी। इसमें निवेश बढ़ेगा, उत्पादन बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। सरकार के प्रयासों से भोपाल में 40 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक एक्वा पार्क का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदिरा सागर सहित अन्य जलाशयों में 3 लाख से अधिक केज स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भोपाल में 40 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक मछलीघर का निर्माण किया जा रहा है। आज प्रदेश में वर्तमान में 4.4 लाख हेक्टेयर में मछली पालन कार्य हो रहा है।वर्ष 2024-25 में प्रदेश का मछली उत्पादन 3.81 लाख मैट्रिक टन रहा। प्रदेश में लगभग 2 लाख से अधिक मत्स्य पालक पंजीकृत हैं। राज्य सरकार ने प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाया है, जिसका लाभ मछुआरों को भी मिल रहा है।

मध्यप्रदेश की सियासत में जातिगत समीकरण हमेशा से महत्वपूर्ण रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनावों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वोटरों ने भाजपा को बड़ा नुकसान पहुंचाया था जिसके चलते कांग्रेस सत्ता में आई। हालांकि 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में हुए दलबदल के बाद भाजपा ने फिर से सत्ता हासिल की। वहीं 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद पार्टी 2028 के विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों के लिए अपनी स्थिति को और मजबूत करना चाहती है। डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में निषाद समुदाय को साधने का प्रयास इसी रणनीति का हिस्सा है। यह समुदाय एक दौर में परंपरागत रूप से कांग्रेस या अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ जुड़ा रहा है अब बिहार ,बंगाल, यूपी जैसे राज्यों के चुनावों में भाजपा के लिए संजीवनी बन सकता है। डॉ. मोहन यादव ने निषादराज के आयोजन से एक तीर से दो निशाने खेलने की कोशिश की है। पहला सम्मेलन केवल निषाद समुदाय तक सीमित नहीं है। इसका सन्देश अन्य समुदायों में भी जाएगा जिनकी संख्या प्रदेश में कम है। दूसरा यह सम्मेलन मोदी सरकार की सामाजिक समरसता और समावेशी विकास की दिशा में एक नई लकीर खींचेगा जिसकी गूंज आने वाले बिहार चुनावों में सुनाई देगी जिसको कैश कराने की भाजपा पूरी कोशिश करेगी। बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से लगभग 45 सीटों पर निषाद और मांझी जातियों का प्रभाव माना जाता है जो राज्य में किंगमेकर मानी जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बार अपने भाषणों में दलित, पिछड़ा और आदिवासी समुदायों को मुख्यधारा में लाने की बात कही है। यह सम्मेलन उसी दिशा में एक कदम है जो सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के साथ-साथ सबका साथ- सबका विकास और सबका विश्वास की छवि को मजबूत करता है। इसके अलावा बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में इस तरह के बड़े आयोजन का होना विरासत से विकास के पीएम मोदी के विजन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

मध्यप्रदेश की सियासत में निषादराज सम्मेलन का आयोजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का एक बड़ा मास्टर स्ट्रोक है जो निषाद समुदाय के सशक्तिकरण के साथ-साथ बिहार में भाजपा के निषाद और मांझी वोटबैंक को मजबूत करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा आने वाले दिनों में बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की महाकाल की नगरी उज्जैन में उपस्थिति और बड़े पैमाने पर परियोजनाओं की घोषणा इस समुदाय को यह विश्वास दिलाने का प्रयास है कि भाजपा मछुआ समुदाय के हितों के प्रति संवेदनशील है। 2023 के चुनावों में कांग्रेस ने भी मछुआ समुदाय को लुभाने के लिए कई वादे किए थे लेकिन सत्ता में वापसी नहीं कर पाई। अब निषादराज सम्मेलन के जरिए भाजपा द्वारा इस समुदाय को देने वाली सौगातें विपक्षी दलों की भविष्य में मुश्किलें बढ़ा सकती हैं। बिहार में भी मछुआ समुदाय की आबादी भी आगामी चुनावों की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। राज्य के 38 जिलों में मछुआ समुदाय विभिन्न क्षेत्रों में अपनी आजीविका के लिए मत्स्य पालन पर निर्भर है। मध्यप्रदेश में निषादराज सम्मेलन के सफल आयोजन की गूंज अब बिहार के गाँवों और पंचायतों तक पहुंचना तय है। मध्यप्रदेश में निषादराज सम्मेलन के माध्यम से लिए गए निर्णयों को भाजपा आगामी बिहार चुनाव में भुनाने की पूरी तैयारी करेगी जिसके केंद्र में उसके स्टार प्रचारक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रहेंगे। मध्यप्रदेश सरकार के इस आयोजन ने यह दिखाया है कि परंपराओं का सम्मान और विकास एक साथ चल सकते हैं।

टैरिफ की टकराहट में उलझा भारत-अमेरिकी व्यापार समझौता : क्या बनेगी बात?

के.के. झा

9 जुलाई 2025 तक जिस भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद थी, वह अब भी अधर में लटका है। यह सिर्फ एक समझौता नहीं, बल्कि दोनों लोकतंत्रों की नीतियों, प्राथमिकताओं और प्रतिबद्धताओं की परीक्षा है। भारत की ओर से सबसे बड़ा अड़ंगा कृषि, विशेषकर डेयरी क्षेत्र है, जिससे 8 करोड़ से अधिक छोटे किसान जुड़े हैं। अमेरिकी डेयरी उत्पादों के लिए बाजार खोलना इनकी आजीविका के लिए संकट पैदा कर सकता है। दूसरी ओर, अमेरिका चाहता है कि भारत अपने बाजार को कृषि उत्पादों, वाहनों और शराब के लिए खोले। भारत का ह्यमेक इन इंडियाह्व अभियान इन मांगों को पूरी तरह स्वीकारने से रोकता है। उद्योग क्षेत्र में स्टील और ऑटो पार्ट्स को लेकर भी विवाद है। व्यापार समझौते में हो रही यह देरी दशार्ती है कि दोनों देश अपने-अपने हितों की रक्षा करते हुए साझेदारी को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

बहुप्रतीक्षित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर 9 जुलाई 2025 तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद थी। लेकिन यह तारीख भी बीत गई, और समझौता अब भी अधर में लटका है। यह देरी दशार्ती है कि दोनों देश अपने-अपने हितों की रक्षा करते हुए साझेदारी को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। यह व्यापार समझौता सिर्फ आँकड़ों या सामान की अदला-बदली का मामला नहीं है - यह समझदारी, सम्मान और दूरदर्शिता से जुड़े निर्णयों का विषय है।



कृषि बना गतिरोध का केंद्र बिंदु

इस समझौते में सबसे बड़ा रोड़ा बना है कृषि, खासकर भारत का डेयरी क्षेत्र। देश के 8 करोड़ से अधिक छोटे किसान दुग्ध व्यवसाय पर निर्भर हैं। अगर अमेरिका को भारत के डेयरी बाजार में प्रवेश मिल गया, तो यह किसानों की आजीविका के लिए बड़ा संकट बन सकता है। भारत का यह विरोध सिर्फ नीति का मामला नहीं है - यह ग्रामीण भारत की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। वहीं अमेरिका भारत में अपने डेयरी, मक्का, सोयाबीन और शराब उत्पादों के लिए बाजार चाहता है। लेकिन अमेरिका भारत की कृषि संरचना और उसकी संवेदनशीलता को अक्सर सही तरीके से नहीं समझ पाता। भारत की खेती एक जीविका है, व्यापार नहीं।

स्टील और ऑटोमोबाइल पर पेच

कृषि के बाद अगला बड़ा मुद्दा है औद्योगिक वस्तुओं का व्यापार - जैसे स्टील और ऑटोमोबाइल पार्ट्स। अमेरिका ने भारतीय स्टील पर ऊंचे टैरिफ (शुल्क) लगा रखे हैं, यह कहते हुए कि भारत सस्ते दामों पर माल भेजता है। भारत चाहता है कि ये शुल्क घटाए जाएं, और साथ ही वह अमेरिका से आयातित वाहनों पर अपने शुल्क बनाए रखना चाहता है, ताकि ह्यमेक इन इंडियाह्व पहल को बल मिले। सबसे बड़ी चिंता यह है कि अमेरिका 26% का प्रतिशोधात्मक शुल्क फिर से लागू कर सकता है, जिसे फिलहाल 10% पर रोका गया है। अगर यह दर 1 अगस्त से बढ़ती है, तो भारत के वस्त्र, चमड़ा और इंजीनियरिंग उत्पादों पर बुरा असर पड़ेगा - ये वे क्षेत्र हैं, जो लाखों लोगों को रोजगार देते हैं। भारत का सुझाव है कि शुल्क 5% से 10% के बीच रखा जाए। यह दोनों देशों के लिए संतुलित और व्यावहारिक रहेगा।

विदेशी निवेश पर भारत की सतर्क रणनीति

भारत में कुछ क्षेत्रों में विदेशी निवेश पर अब भी रोक है - जैसे जुए, तंबाकू, अणु ऊर्जा, और रेलवे। इसके पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक मूल्यों की चिंता है। रक्षा, मीडिया जैसे खुले क्षेत्रों में भी निवेश पर सीमाएं और सरकारी मंजूरी जरूरी है। भारत विदेशी पूंजी का स्वागत करता है, लेकिन अपने नियमों और शर्तों पर। यह सोच भारत को वैश्विक पूंजी का लाभ तो उठाने देती है, लेकिन नियंत्रण उसके अपने हाथ में रहता है। यह खुलापन और सुरक्षा के बीच एक समझदारी भरा संतुलन है।

भिन्न जरूरतें, समान लक्ष्य

भारत और अमेरिका दोनों अपने-अपने देश के घरेलू दबावों से जूझ रहे हैं। भारत को अपने किसानों और श्रमिकों की रक्षा करनी है, जबकि अमेरिका को अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत दिखाना है और प्रभावशाली व्यापार सौदे करना है। फिर भी उम्मीद बनी हुई है। भारत आज वैश्विक व्यापार का एक भरोसेमंद केंद्र बनता जा रहा है, जो अमेरिका के लिए चीन जैसे विकल्पों से हटकर एक बेहतर साथी बन सकता है। अगर दोनों देश थोड़ा-थोड़ा झुकें, तो समझौता संभव है। अमेरिका अपने शुल्क में थोड़ी राहत दे सकता है, और भारत कुछ ऐसे क्षेत्र खोल सकता है जो उसकी कृषि या आत्मनिर्भरता को नुकसान न पहुँचाएं।

सही टैरिफ नीति : दोनों के लिए फायदे का सौदा

मेरे विश्लेषण में, भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका का आयात शुल्क 5% से 10% के बीच होना चाहिए। यह दर भारत की प्रतिस्पर्धा बनाए रखेगी और अमेरिका की घरेलू चिंताओं को भी ध्यान में रखेगी।

देश के सेना और वैज्ञानिक को सम्मान करना चाहिए

- संजय गोस्वामी

आज सब अपना देखते हैं यही खर्ज है आज महंगाई में मिडिल क्लास का जीना हराम हो गया है सैलरी लगता खुब मिलता है लेकिन खर्च भी बढ़ता जा रहा है 100 रुपए का आज क्या वैल्यू है उसपर सब्जी का फल का रेट देखिए अब वो जमाना गया कि कैसे भी एडजस्ट करते थे और पढ़ाई भी सस्ती थी सब्जियाँ फल तो घर में ही उगा लेते थे और काम भी चल जाता था अब बिगबास्केट, जेप्टो, ग्रोफर जैसी तमाम ग्रोसरी से लेकर फल सब्जियाँ देती है घर पर ही जो ताजी नहीं मिलती और बापस करने पर तमाम तरह के फोटो रिटर्न्स नहीं होगा और ठगा ठगा महसूस करता है बिगबास्केट तो बिल्कुल खराब समान दे रहा है कितनी बार फंगस लगा हुआ मिला और बार बार ऐसा होने पर अकाउंट ही लॉक कर दिया दरअसल मैं ऑनलाइन के चक्कर में नहीं रहता हूँ लेकिन ऐ आज फॅमिली की पसंद बन गई है पहले सब्जी खरीदने बाजार निकलते थे उससे कई गुना सस्ता समान आज भी आप सब्जियाँ बाजार से खरीद कर देंखे इससे आपके दो फायदा होगा आपका घूमना भी होगा और वहाँ भी जो अच्छा होगा आप चुन कर लेंगे और इसी बहाने फल भी खरीद लेंगे आप एक बार आजमाने की कोशिश करें हाँ किराना का सामान हो सकता है सस्ता ना मिले लेकिन घुन या फंगस लगा हुआ सामान नहीं मिलेगा क्योंकि वहाँ किराना स्टोर उसे फेंक देती है जबकी बिगबास्केट आदि यही सामान को बिल्कुल एक्सपायरी डेट के करीब का देती है जो एक तरह से रोड पर मारा मारा फिरता है और कई तो उसे एक्सपायरी डेट को ही रीप्रिंट कर देते है पहले सामान दिखा कर उसी के हिसाब से रेट मिलता था और सस्ता था उसे भी बेचना है आप दादर का भाजी मार्केट देखिए वहाँ कुछ समय सुबह तक खुब भाजी मिलता है जिसे जोमाटो और अन्य ऑनलाइन जो खाने का सामान देते है यहाँ तक की होटल भी निकला खुब लेते है सुबह में सुन्दर दीखता है और जैसे ही मुंबई महानगर के लोग सफाई के लिए आते है वो रोड पर मारा मारा फिरता है और कोई उसे भी लें जाता है शायद होटल के लिए अतः खाने पर बाहर का खाना ऑनलाइन खरीदने से बचें और जहाँ तक हो पैसे बचाने की कोशिश करें बहुत दुःख होता है जब अंग्रेजो की लड़ाई सब मिलकर लड़े फिर भी गुलामी सा महसूस क्यों होता है अमेरिका एक बार नहीं सौ बार कहता है कि हम भारत और पाकिस्तान का सीजफायर कराई अमीर लोग अमीर बनते जा रहे हैं और मध्यम वर्ग पीस रहा है कुछ दिन पहले किसी मरीज की हालत खराब थी एम्बुलेंस समय पर नहीं रहा और अपनी गाड़ी थोड़ी सी इधर से उधर हुई और चलाना कट गया और ऐ कोई मामूली रकम नहीं होता है जबकी रोडो का इतना गहरा गढ़ा टुटा फूटा कहीं कहीं लाइट नहीं है इसका कौन जिम्मेदार है एक तरफ चलान काटा गया लेकिन रोड की हालत भी देखिए आम आदमी हर जगह मारा जा रहा है क्या खाएगा क्या कमायेगा महंगाई का मतलब है वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में सामान्य वृद्धि। इसे मुद्रास्फीति भी कहा जाता है। इसका मतलब है कि एक ही राशि में अब कम सामान और सेवाएं खरीदी जा सकती हैं, क्योंकि कीमतें बढ़ गई हैं। ::सरकार द्वारा अधिक पैसा छापना या खर्च करना भी महंगाई का कारण बन सकता है। युद्ध और प्राकृतिक आपदाएं:युद्ध या प्राकृतिक आपदाओं के कारण आपूर्ति बाधित होने से कीमतें बढ़ सकती हैं। महंगाई का प्रभाव:खरीद शक्ति में कमी:महंगाई से लोगों की खरीद शक्ति कम हो जाती है, क्योंकि वे अब एक ही राशि में कम सामान खरीद पाते हैं।

आज का राशिफल

मेष आज उन्नति के संयोग बन रहे हैं। जीवनसाथी से आर्थिक मामलों में सक्रिय सहयोग मिलेगा।

वृषभ पुराने निवेशक से मिलने वाला सहयोग आपके कारोबार का विस्तार कर सकता है।

मिथुन ई-वॉलेट की सुरक्षा सुनिश्चित करें। संतान की सफलता निवेश की दिशा तय कर सकती है।

कर्क रियल एस्टेट, होटल इंडस्ट्री या कैटरिंग से जुड़े हैं, तो किसी क्लाइंट से बड़ी डील फाइनल हो सकती है।

सिंह शिक्षा, विज्ञापन और सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे लोगों को सफलता मिल सकती है।

कन्या आज दिन तरक्की लेकर आएगा। नौकरी और व्यवसाय से जुड़ी बड़ी सफलता मिल सकती है।

तुला पुराना निवेश जैसे पीपीएफ, एलआईसी या पोस्ट ऑफिस स्कीम से लाभ हो सकता है।

वृश्चिक अनचाहे खर्चों की संभावना है। विशेषकर हेल्थ और कानूनी मामलों में।

धनु आज दिन अनुकूल है। गवर्नमेंट सेक्टर, ग्रांट्स या स्कॉलरशिप के जरिए धन प्राप्ति के योग हैं।

मकर आज भाग्य साथ दे रहा है। रोजगार के क्षेत्र में सकारात्मक संकेत मिलेंगे।

कुंभ आज समझदारी से काम लेने की सलाह है। आर्थिक निर्णय लेते समय भ्रम की स्थिति से बचें।

मीन पारंपरिक योजनाएं जैसे म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट, गोल्ड या पीपीएफ धन वृद्धि करेंगी।

विशेष

बिहार में बंटने के पहले ही 50 फीसदी प्रपत्र जमा

इन दिनों चुनाव आयोग का तमाशा सारा देश देख रहा है। चुनाव आयोग ऐसे ऐसे दावे कर रहा है।जो वास्तविकता से बहुत दूर है। वह अपने दावों का ही खंडन कर देता है। ऐसा लगता है, चुनाव आयोग को गृह मंत्रालय ने अपने अधीन कर लिया है। चुनाव आयोग अब चुनाव कराने के साथ-साथ नागरिकता तय करने का काम भी कर रहा है। चुनाव आयोग ने हाल ही में दावा किया था। बिहार विधानसभा के सभी मतदाताओं को प्रपत्र भेज दिए गए हैं। उसमें 50 फीसदी प्रपत्र जमा भी हो गए हैं। योगेंद्र यादव ने बिहार में एक सर्वे कराया था। उसमे 50 फीसदी से ज्यादा मतदाताओं को अभी तक प्रपत्र ही नहीं मिले हैं।जमा करने की बात तो बहुत दूर की है। तुलसीदास जी ने रामायण में कहा है,समरथ को नहीं दोष गुसाई। चुनाव आयोग के पास जो सामर्थ है। उसका मुकाबला तो हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी नहीं कर सकते हैं। चुनाव आयोग ने कह दिया है। तो सभी को उसे सच मानना ही पड़ेगा।

नहीं मिलेगा बीमा मुआवजा?

सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की खंडपीठ ने एक ऐसा फैसला दिया है। जिसमें बीमा कंपनियों की बल्ले बल्ले हो गई है। जो गरीब एक्सीडेंट में मारे जाते हैं। उन्हें अब बीमा कंपनी से मुआवजा भी नहीं मिलेगा। गाड़ी चलाते समय किसी लापरवाही या गलती से दुर्घटना में मौत हुई है। मरने वाले के परिवार को यह साबित करना पड़ेगा। ऐसी दशा में सड़क बीमा दुर्घटना का लाभ गरीब व्यक्ति के परिवार को नहीं मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला गरीबों के विरुद्ध और बीमा कंपनियों के पक्ष में है।

कार्टून कोना

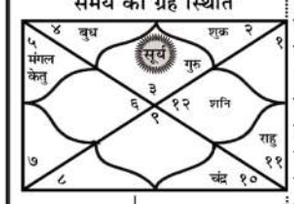


आज का इतिहास

1837: महारानी विक्टोरिया ने बकिंघम पैलेस में रहना शुरू किया. 1919: ब्रिटिश विमान आर 34 अटलांटिक के चारों ओर चक्कर लगाकर नोरफ्लेक (इंग्लैंड) वापस लौटा. 1929: क्रांतिकारी जतीन्द्र नाथ दास हड़ताल शुरू की ने भूख जो 63 दिन तक चली. 1930: प्रथम विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता मोंटेवीडियो (उरुग्वे) में 13 टीमों के साथ शुरू हुई. 1943: इतिहास का सबसे बड़ा टैंक युद्ध मास्को के दक्षिण में समाप्त हुआ जिसमें 2900 टैंक नष्ट हुए और 2,30,000 सैनिक मारे गए. 1944: रूसी सेना ने विलना (लिथुआनिया) पर कब्जा किया. 1955: ब्रिटेन में रूथ एलिस को फांसी दी गई, उसके बाद किसी भी महिला को यह सजा नहीं दी गई. 1960: जॉन एफ केनेडी को डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमरीकी राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया. 1977: भारतरत्न पद्मभूषण आदि नागरिक सम्मान वापस ले लिए गए.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.42 बजे से
चंद्र	मकर में	सिंह	07.58 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.10 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.20 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.35 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.51 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.56 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.43 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.15 बजे से
राहुकाल		मेष	23.46 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		वृष	01.26 बजे से
		मिथुन	03.24 बजे से

2025 वर्ष का 194 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि तृतीया 01.03 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 06.53 बजे को समाप्त। **योग** प्रीति 18.01 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 13.28 बजे तदनन्तर विष्टि 01.03 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 49'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872404
जूलियन दिन 2460869.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 17
विशेष जयापार्वती व्रत समाप्त।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से 07.23	बजे तक	शुभ	05.36	से 07.09	बजे तक
चर	07.23	से 08.51	बजे तक	अमृत	07.09	से 08.41	बजे तक
लाभ	08.51	से 10.18	बजे तक	चर	08.41	से 10.14	बजे तक
अमृत	10.18	से 11.46	बजे तक	रोग	10.14	से 11.46	बजे तक
काल	11.46	से 01.14	बजे तक	काल	11.46	से 01.19	बजे तक
शुभ	01.14	से 02.41	बजे तक	लाभ	01.19	से 02.51	बजे तक
रोग	02.41	से 04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51	से 04.24	बजे तक



धान की उन्नत खेती और सही पैदावार के लिए अपनाएं यह तरीका



धान की उन्नत खेती और सही पैदावार के लिए अपनाएं यह तरीका ङ्क एक अच्छी पैदावार लेने के लिए भूमि का अच्छी तरह से तैयार किया जाना अति आवश्यक है। अच्छी तरह से तैयार की गयी खेती योग्य भूमि से खरपतवार दूर रहते हैं तथा भूमि में पाए जाने वाले जैव तत्व अच्छी तरह से तैयार हो जाते हैं। इसके साथ ही पौध रोपण के लिए आवश्यक नरम भूमि प्राप्त हो जाती है तथा सीधे बिजाई के लिए उपयुक्त समतल भूमि भी प्राप्त की जा सकती है।

धान की खेती योग्य भूमि को तैयार करने के लिए सामान्यतः 2 तरीके अपनाए जाते हैं, जिसमे zero tillage और minimum tillage मत्वपूर्ण है। इस प्रक्रिया से ना केवल भूमि की असमानता कम होती है बल्कि इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए जो कीचड़ प्रक्रिया अपनाई जाती है उससे भूमि संरचना काफी हद तक खराब हो जाती है।

मुख्यतः धान की खेती के लिए भूमि को तैयार करने के 4 चरण होते हैं

पहले चरण में खेत की जुताई के लिये गहरी जुताई का उपयोग किया जाता है।

दूसरे चरण में मिट्टी को उलट–पलट कर मिलाया जाता है। इसके उपरान्त मिट्टी के बड़े ढेलों को तोडने के लिए हैरोइंग का इस्तेमाल किया जाता है।

तीसरे चरण में खेत में मौजूद खरपतवार और फसलों के अवशेष को अच्छी तरह से भूमि में मिला दिया जाता है और इसके बाद खेत में अच्छी तरह से सिंचाई कर कीचड़ बनाया जाता है। जिससे की जमीन में नमी बन जाए तथा अंतिम चरण में पाटा लगाकर भूमि को समतल बना दिया जाता है। पिछले फसल के कटाई के उपरांत कुछ समय के लिए भूमि को खेती के लिए उपयोग में नहीं लाया जाता है। लेकिन अगली फसल के लिए खेत को उपयोग में लाने से पूर्व उपरोक्त प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिससे की खरपतवार को नियंत्रित किया जाता है साथ ही भूमि की उर्वराशक्ति को भी बढ़ावा मिलता है। इन सारी प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए कम से कम 3 से 4 सप्ताह लग जाते हैं।

भूमि तैयार करने की प्रक्रिया

जुताई, मिट्टी के ढेलों की कटाई, ढेलों की तुड़ाई तथा मिट्टी को अलट–पलट करने से काफी हद तक या कुछ हद तक पौध रोपण के लिए खेत की तैयारी हो जाती है। गहरी जुताई से कृषकों को एक अच्छे संरचना वाली खेती योग्य भूमि मिल जाती है जिससे की पानी को सोखने की क्षमता के साथ भूमि में ऑक्सीजन का सुगम परिचालन हो जाता है। इसके अलावा जुताई से खरपतवार, कीट पतंगा का भी नाश हो जाता है। किसानों के लिए बाजार में जुताई के लिए विभिन्न प्रकार के मशीन मौजूद हैं लेकिन स्टिल कंपनी ने पावर वीडर रू॥ (710) अलग– अलग जुताई के पुर्जों के साथ किसानों के लिए उपलब्ध करवाया है जो कि ऊपर वर्णित प्रक्रियाओं को आसान बनाने में किसानों मदद करता है। हैरोइंग एक उथली–गहराई वाली माध्यमिक जुताई तकनीक है जो मिट्टी को महीन और चूर्ण करने के साथ–साथ खरपतवारों को काटने और मिट्टी के साथ मिलाने का काम करता है। खेत में खरपतवार, फसल अवशेष और खरपतवार बीजों को भी नष्ट करने में मदद करता है। यह प्रक्रिया तभी काम आती है जब मिट्टी के ढेलों में नमी की मात्रा कम हो जाती है। इस जटिल प्रक्रिया को कम समय में सफलतापूर्वक करने के लिए स्टिल पावर वीडर रू॥ (710) के साथ डीप टाइम अटैचमेंट के द्वारा आसानी से किया जा सकता है। धान की खेत में रोपाई से पूर्व कीचड़ बनाने की प्रक्रिया अत्यंत जटिल एवं मेहनतकश प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया के लिए सबसे पहले देशी हल से जुताई की जाती है, इसके बाद खेत में 5–10 सेमी पानी से भर दिया जाता है। जिससे मिट्टी के ढेले गलकर कीचड़ में परिवर्तित हो जाते हैं। इसके उपरान्त खेत में पाटा लगाकर खेत को रोपाई के लिए समतल बनाकर तैयार किया जाता है। यह पूरी प्रक्रिया अत्यंत उबाऊ और जटिल होती है। इसके लिए स्टिल कंपनी पावर वीडर रू॥ (710) के साथ पोडलिंग व्हील अटैचमेंट एक अत्यंत आधुनिक पेशकश है। जिससे ना केवल धान के पौध रोपण के लिए खेत तैयार होती है बल्कि पौध रोपण के लिए उपयुक्त भूमि भी तैयार हो जाती है। ऐसा माना जाता है कि भूमि को समतल बनाने से ना केवल भूमि की उपयोगिता बढ़ती है बल्कि भूमि के समतल करने से, भूमि के सिंचाई के दौरान पानी की कम खपत होती है तथा एक सार पानी पूरे खेत में फैल जाता है। इस प्रक्रिया को अपनाने से ना केवल पानी के बहाव और फैलाव को नियंत्रित किया जाता है बल्कि इससे भूमि का कटाव भी रुकता है और इसके साथ–साथ पौध प्रस्थापना भी बेहतर होती है।



धान की खेती के लिए भूमि की तैयारी क्यों आवश्यक है

कीचड़ पद्धति द्वारा एक असामान्य खेत को समतल बनाया जाना चाहिए।

खेत में पानी की सामान्य गहराई को बनाए रखने के लिए।

असामान्य भूमि को समतल बनाकर पानी की दक्षता को बढ़ाना।

पानी की उपयोगिता को बढ़ाने के लिए भूमि का समतली करण अतिआवश्यक है।

एक अच्छी जुताई से खेती योग्य भूमि में ऑक्सीजन की उपलब्धता बन जाती है।

इस मौसम में धान की बेहतर उपज प्राप्त करने के लिए स्टिल के कृषि उपकरणों का उपयोग करें। अधिक जानकारी के लिए आप उनके आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं तथा उनके ऑफिशियल Id:info@stihl.in, संपर्क सूत्र- 9028411222 का उपयोग अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए कर सकते हैं।



वैज्ञानिक विधि अपनाकर किसान कर सकते हैं अधिक कमाई

केले की खेती के लिए अभी है सही समय



सामान्य तौर पर किसान पारंपरिक तरीके से केले की खेती करते हैं. अगर वे वैज्ञानिक तरीका अपनाएं तो उन्हें काफी फायदा हो सकता है. उनकी कमाई तीन गुना तक बढ़ सकती है. केले की खेती के लिए अभी है सही समय, वैज्ञानिक विधि अपनाकर किसान कर सकते हैं अधिक कमाई वैज्ञानिक विधि से केले की खेती कर किसान अधिक लाभ कमा सकते हैं. भारत में केले की लगभग 500 किस्मों की खेती होती है. केले की खेती से जुड़े किसान अभी तैयारियों में जुटे हुए हैं. यह अभी केले की खेती के लिए सबसे उपयुक्त समय है. सामान्य तौर पर किसान पारंपरिक तरीके से केले की खेती करते हैं. अगर वे वैज्ञानिक तरीका अपनाएं तो उन्हें काफी फायदा हो सकता है. उनकी कमाई तीन गुना तक बढ़ सकती है. वैसे तो अपने देश में पूरे साल केले की खेती होती है, लेकिन उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से और बिहार में अब इसके लिए उपयुक्त मौसम आ रहा है. देश में हरेक प्रदेश और भौगोलिक दशा के लिए केले की प्रजाति मौजूद है. ऐसे में यह जानना जरूरी है कि किसान वैज्ञानिक विधि अपनाकर किन किस्मों की खेती कर अधिक से अधिक पैदावार लें. फल वैज्ञानिक डॉ एसके सिंह TV~ Digital के जरिए देश के किसानों को कुछ टिप्स दे रहे हैं. डॉक्टर सिंह के मुताबिक, वाटर संकर चौड़ी पत्तियों वाले होते हैं. सकर सदैव स्वस्थ व उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों के पौधों से ही लेना चाहिए, जिसमें रोग एवं कीड़ों का प्रकोप बिल्कुल न हो. दो तीन माह पुराना ओजस्वी सकर प्रवर्धन हेतु अच्छा होता है. केले के प्रकन्द से ही नए पौधे तैयार हो सकते हैं. जल्द बहुत अधिक पौधे तैयार करने के लिए पूरा प्रकन्द या इसके टुकड़े काटकर प्रयोग में लाते हैं. इनसे पौधा बनने में थोड़ा अधिक समय अवश्य लगता है परन्तु पहली फसल के पौधे अधिक समरूप होते हैं.

खुद भी तैयार करें

प्रकन्द का औसत वजन लगभग एक से डेढ़ किलोग्राम होना चाहिए. सकर की खुदाई और उसकी सफाई के बाद उसका कार्बेन्डाजीम (0.1 प्रतिशत) मोनोक्रोटोफास (0.2 प्रतिशत) के जलीय घोल में 90 मिनट तक डालकर शोधन करते हैं. इसके बाद सकर को 7 दिन तक धूप मे रखकर उसके जीवाणु या फफूंद विहीन कर देते हैं. जहां सूत्रकृमि की समस्या हो, वहां पर सकर को गाय के गोबर मे डूबोने के पश्चात नीम आधारित कीटनाशक से शोधन के पश्चात नीम की खली प्रति 2–3 किलोग्राम या गड्ढा प्रयोग करना चाहिए. रोपण हेतु सकर के चयन मे विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि रोपण सामग्री के समान नहीं होने की वजह से केला की फसल भी एक समान नहीं होती है, जिससे उसकी कटाई के समय में भारी अंतर आता है और फसल का प्रबंधन कठिन हो जाता है.



टिशू कल्चर वाला पौधा

पॉलीथिन थैले में 8–10 इंच ऊंचाई के उतक संवर्धन द्वारा तैयार पौधे रोपण हेतु उपयुक्त होते हैं. पॉलीथिन के पैकेटों को तेज चाकू या ब्लेड से काटकर अलग कर देते हैं और पौधों को निकाल लेते हैं. ध्यान यह देना चाहिए कि मिट्टी की पिंडी न फुटने पाए. पहले से भरे गए गड्ढों के बीचो–बीच मिट्टी के पिंडी के बराबर छोटा सा गड्ढा बनाकर पौधे को सीधा रख देना चाहिए. पौधे की जड़ों को बिना हानि पहुचाएं पिंडी के चारों ओर मिट्टी भरकर अच्छी प्रकार दबा देना चाहिए ताकि सिंचाई के समय मिट्टी में गड्ढे न पड़ें. बहुत अधिक गहराई में रोपण कार्य नहीं करना चाहिए. केवल पौधे की पिंडी तक ही मिट्टी भरनी चाहिए.

रोपण में दूरी

रोपण के दौरान पौधे से पौधा एवं पंक्ति से पंक्ति की दूरी विभिन्न कारकों द्वारा प्रभावित होती है जैसे, केला की किस्म, खेती करने की विधि, मृदा की उर्वरता इत्यादि. केला की परंपरागत खेती में विभिन्न किस्मों के लिए रोपण की दूरी भी भिन्न–भिन्न निर्धारित की गई है जो इस प्रकार है।

हैदराबाद में स्थापित होगा रेयर अर्थ मैग्नेट प्लांट, चीन की आपूर्ति पर निर्भरता खत्म करेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता के लिए अपने व्यापक प्रयास के तहत हैदराबाद में रेयर अर्थ मैग्नेट का उत्पादन शुरू करने का फैसला किया है। कोयल और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मंत्री ने कहा कि हमारी खनन मंत्रायल का संस्थान विभिन्न उद्योगों के साथ मिलकर आवश्यक मशीनरी के निर्माण पर गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि अगले तीन से चार महीनों में भारत स्थायी चुम्बकों के निर्माण की अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा। यह परियोजना उद्योग, खनन और अन्य मंत्रालयों के सहयोग से आगे बढ़ रही है और इसकी चर्चा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी की गई है।

चीन ने रेयर अर्थ मैग्नेट की आपूर्ति रोकी- भारत की सोर्सिंग रणनीति में बदलाव के बारे में बताते हुए रेड्डी ने कहा हम रेयर अर्थ रमानेंट मैग्नेट्स के लिए 100 प्रतिशत चीन पर निर्भर थे। लेकिन हाल ही में चीन ने आपूर्ति रोक दी है।चीन ने अप्रैल 2024 में घोषणा की थी कि वह कुछ रेयर अर्थ संबंधित वस्तुओं पर निर्यात नियंत्रण लगाएगा, जिससे भारत सहित वैश्विक आपूर्ति में कमी आ जाएगी।

आईसीईए ने की सराहना- इस संदर्भ में, शुक्रवार को इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज मोहिन्द्रू ने केंद्र सरकार की इस पहल का स्वागत किया। उन्होंने विशेष रूप से सरकार द्वारा प्रस्तावित प्रोत्साहनों की सराहना की।

राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई, 2024 को पेश किए गए केंद्रीय बजट में 'क्रिटिकल मिनरल मिशन' शुरू करने की घोषणा की थी। इसके बाद जनवरी 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 16,300 करोड़ रुपये के व्यय के साथ मंजूरी दी थी। इसके तहत सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों से 18,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन (एनसीएमएम) के शुभारंभ को मंजूरी दी गई।

देश में उपभोक्ता आधारित क्षेत्रों का विकास मिला-जुला रहने का अनुमान



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का उपभोक्ता विवेकाधीन क्षेत्र में मिलेजुले संकेत रहने की संभावना है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार इस क्षेत्र में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों कारकों के संयोजन के कारण वार्षिक आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हो सकती है।

क्या है उपभोक्ता विवेकाधीन क्षेत्र?- कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी उन वस्तुओं और सेवाओं से जुड़ा होता है जो जीवन के लिए अनिवार्य नहीं होतीं, लेकिन आय बढ़ने पर लोग इनकी इच्छा रखते हैं।

नए युग के व्यवसाय में मजबूत वृद्धि की संभावना- रिपोर्ट में कहा गया कि नए युग के व्यवसाय इस सेक्टर को मजबूती देंगे। यह 49 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ सकता है। वहीं, पेंट कंपनियों की धीमी वृद्धि दर इस क्षेत्र पर दबाव बना सकती है।

इन क्षेत्रों में होगी इतनी वृद्धि- इसके अलावा रिपोर्ट में आभूषण में लगभग 20 प्रतिशत, फूड एंड ग्रॉसरी में 16 प्रतिशत, परिधान में 16 प्रतिशत और फुटवियर में 7 प्रतिशत क्षेत्रों में होगी वृद्धि का अनुमान है। विभिन्न श्रेणियों में समान-स्टोर बिक्री वृद्धि (एसएसएसजी) के पहली तिमाही के प्रदर्शन में उल्लेखनीय अंतर देखने को मिलेगा। विशेष रूप से आभूषण क्षेत्र में मजबूत ग्रोथ की उम्मीद है, जबकि ऑफलाइन फूड एंड ग्रॉसरी और वैल्यू रिटेलिंग परिधान में स्थिर वृद्धि की संभावना है। दूसरी ओर, फुटवियर खंड, पेंट कंपनियों और नए युग के व्यवसायों के एसएसएसजी में पहली तिमाही में मांग का दबाव देखने को मिल सकता है।

आईफोन, स्मार्ट टीवी, माइक्रोवेव... चीन से सबकुछ छीन रहा भारत

अब नहीं चलेगी ड्रैगन की दादागीरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अब भारत में सिर्फ आईफोन ही नहीं बन रहे हैं। स्मार्ट टीवी और माइक्रोवेव ओवन भी यहीं बन रहे हैं। इसके साथ ही, कुछ खास इलेक्ट्रॉनिक चीजें भी अब भारत में बनने लगी हैं। ये वो चीजें हैं जो पहले पूरी तरह से बाहर से मंगाई जाती थीं। जैसे कि रोबोट वाले वैक्यूम क्लीनर, कॉफी बनाने की मशीन, बिल्ट-इन रेफ्रिजरेटर और एयर फ्रायर। इंडस्ट्री के लोगों का कहना है कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक चीजों की लिस्ट बढ़ा दी है। अब इन चीजों को बनाने वाली फैक्ट्रियों को बीआइएस से सर्टिफिकेट लेना होगा।



बीआइएस के क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर का मतलब है कि चीन और दूसरी जगहों से आने वाले सामान पर कंट्रोल किया जा सके और भारत में ही प्रोडक्शन को बढ़ावा मिले। ज्यादातर ये खास चीजें पिछले आठ-नौ महीनों में क्यूसीओ के दायरे में आई हैं। पहले, ज्यादातर कंपनियां कहती थीं कि इन चीजों का मार्केट इतना छोटा है कि इन्हें भारत में बनाना फायदे का सौदा नहीं है।

डिक्सन टेक्नोलॉजीज के मैनेजिंग डायरेक्टर अतुल लाला का कहना है, बीआइएस के नियमों ने एक बड़ा बदलाव लाया है। अब प्रीमियम ब्रांड भी छोटे उपकरणों को भारत में बनाने के बारे में सोच रहे हैं, भले ही मार्केट छोटा हो। यह एक अच्छा बिजनस करने का मौका है। हाल ही में, डिक्सन ने यूरेका फोर्ब्स के साथ रोबोट वैक्यूम क्लीनर बनाने का समझौता किया है। इस कैटेगरी का मार्केट सिर्फ 700 करोड़ रुपये का है।

डिक्सन भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली कंपनी है। यूरोप की लिबहर कंपनी ने औरंगाबाद में बिल्ट-इन रेफ्रिजरेटर बनाने का प्लांट लगाया है। अप्रैल से यहां प्रोडक्शन शुरू हो गया है जबकि भारत में इसकी सालाना बिक्री सिर्फ 14,000-15,000 यूनिट्स ही है।

लिबहर उपकरण के इंडिया मैनेजिंग डायरेक्टर (सेल्स) कपिल अग्रवाल ने कहा कि इस साल से रेफ्रिजरेटर के लिए बीआइएस के नियम लागू होने से उन्हें भारत में फैक्ट्री लगाने का ख्याल आया। इसके साथ ही लोग अब महंगी चीजें ज्यादा पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम जर्मनी से इम्पोर्ट कर रहे थे लेकिन फैक्ट्री को सर्टिफाई कराना बहुत मुश्किल काम है। हमें यह भी लगता है कि मार्केट पांच साल में 1 लाख यूनिट्स तक बढ़ जाएगा। इसलिए भारत में प्लांट लगाने से बिजनस अच्छा चलेगा और इम्पोर्ट करने में लगने वाला समय भी कम हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा है कि वे इस साल भारत में ही सामान बनाने को प्राथमिकता देंगे। हेवलस इंडियाने भी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वे इम्पोर्ट पर निर्भरता कम करने के लिए भारत में ही प्रोडक्शन को बढ़ावा देंगे। पिछले साल तक वे 15 प्रतिशत सामान बाहर से मंगाते थे, जिसे उन्होंने घटाकर 8 प्रतिशत कर दिया है।

कितना बड़ा है मार्केट

कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर ईपैक टिकाऊ के एमडी अजय सिंघानिया का कहना है कि क्यूसीओ लागू होने से अब और भी अच्छी कैटगरी खुल गई हैं। मिक्सर ग्राइंडर जैसी चीजों का बिजनेस या तो स्थिर है या सिर्फ 3-4 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि एयर फ्रायर, इलेक्ट्रिक केतली और हेयर ड्रायर जैसी 72 कैटगरी में मौका है, जो पहले पूरी तरह से इम्पोर्ट की जाती थीं। उन्होंने पिछले महीने एनालिस्ट्स को बताया, हम इन कैटगरी को भारत में बनाने में आगे बढ़ रहे हैं और ज्यादातर बड़ी कंपनियों की जरूरतें पूरी कर रहे हैं।

कुछ कंपनियों ने क्यूसीओ लागू होने से पहले ही इन चीजों को बड़ी मात्रा में इम्पोर्ट कर लिया था। इंडस्ट्री के लोगों का कहना है कि भले ही एक-एक कैटगरी का मार्केट छोटा हो, लेकिन कुल मिलाकर यह 12,000-13,000 करोड़ रुपये का बिजनस है। अगर तुलना करें तो सिर्फ एयर कंडीशनर का मार्केट 40,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है और स्मार्टफोन का मार्केट 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है।

बीआईएस सर्टिफिकेशन

एक और बड़ी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर (ऑपरेशंस) विकास गुप्ता ने बताया कि उन्होंने सात-आठ साल पहले छोटे उपकरणों का प्रोडक्शन शुरू किया था, लेकिन उस समय मौका बहुत कम था इसलिए बंद करना पड़ा। उन्होंने कहा, लेकिन बीआइएस के नियमों के साथ, हम अब इसे फिर से देख रहे हैं क्योंकि बहुत सारे ब्रांड हमसे संपर्क कर रहे हैं।

सरकार ने पिछले कुछ साल में एसी वाशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, सीलिंग फैन, प्लग, स्विच और केबल जैसे प्रोडक्ट्स के लिए बीआइएस क्यूसीओ सर्टिफिकेशन को जरूरी कर दिया है। बहुत कम विदेशी फैक्ट्रियों को बीआइएस सर्टिफिकेशन मिला है। इसका मतलब है कि अब भारत में इन चीजों का प्रोडक्शन बढ़ेगा।

महिला बॉस बनते ही हिंदुस्तान यूनिलीवर की लगी लॉटरी! गिरते बाजार में कमा लिए 42,363.13 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 932.42 अंक यानी 1.11 प्रतिशत के नुकसान में रहा। इस दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल



2.07 लाख करोड़ रुपये (2,07,501.58 करोड़ रुपये) की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल रहीं। शीर्ष 10 में से केवल बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई।

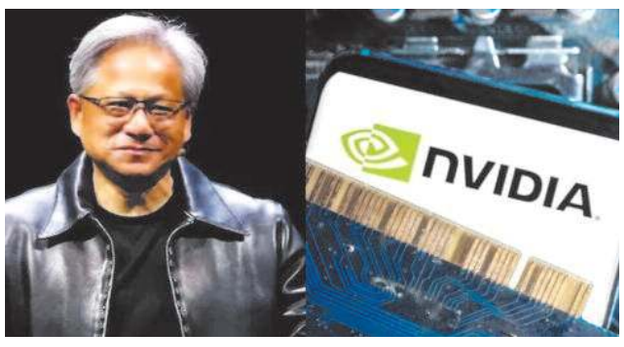
पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस का मार्केट कैप 56,279.35 करोड़ रुपये घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपये पर आ गया। कंपनी के जून तिमाही के नतीजे निवेशकों को उत्साहित करने में विफल रहे। शुक्रवार को टीसीएस के शेयर में लगभग 3.5 प्रतिशत की गिरावट आई। इसी तरह भारती एयरटेल का मूल्यांकन 54,483.62 करोड़ रुपये घटकर 10,95,887.62 करोड़ रुपये पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 44,048.2 करोड़ रुपये घटकर 20,22,901.67 करोड़ रुपये पर आ गई।

हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप- इन्फोसिस के मूल्यांकन में 18,818.86 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 6,62,564.94 करोड़ रुपये रहा। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,556.84 करोड़ रुपये घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपये पर आ गया। एलआईसी का मूल्यांकन 11,954.25 करोड़ रुपये घटकर 5,83,322.91 करोड़ रुपये पर आ गया। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में 4,370.71 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 15,20,969.01 करोड़ रुपये रही। इसी तरह एसबीआई की बाजार हैसियत 2,989.75 करोड़ रुपये घटकर 7,21,555.53 करोड़ रुपये रह गई।

इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 42,363.13 करोड़ रुपये बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के शेयर में शुक्रवार को लगभग पांच प्रतिशत का उछाल आया।

अमीरी में वॉरेन बफे से आगे निकले एनवीडिया के जेंसन हुआंग, पहली बार टॉप 10 में मिली जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग ने कंपनी के लगभग 3.64 करोड़ डॉलर के शेयर बेच दिए हैं। हुआंग ने यह कदम तब उठाया है, जब उनकी संपत्ति बहुत तेजी से बढ़ रही है। अब वह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में वॉरेन बफेट से आगे निकल गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक हुआंग की नेटवर्थ 144 अरब डॉलर पहुंच चुकी है और वह दुनिया के अमीरों की



लिस्ट में नौवें नंबर पर आ गए हैं। हुआंग की नेटवर्थ में इस साल 29.4 अरब डॉलर की तेजी आई है और वह पहली बार टॉप 10 की लिस्ट में पहुंचे हैं। अमेरिका के दिग्गज इनवेस्टर वॉरेन बफे 143 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में दसवें नंबर पर हैं।

हुआंग ने एनवीडिया के 225,000 शेयर बेचे हैं। यह सब पहले से तय योजना के तहत हो रहा है। इस योजना के अनुसार हुआंग इस साल के अंत तक एनवीडिया के 60 लाख शेयर बेच सकते हैं। इससे पहले जून में भी उन्होंने इसी योजना के तहत लगभग 1.5 करोड़ डॉलर के शेयर बेचे थे। पिछले साल हुआंग ने इसी तरह की योजना के तहत लगभग 70 करोड़ डॉलर के शेयर बेचे थे। शेयरों की बिक्री के बावजूद हुआंग के पास अब भी एनवीडिया के 85.8 करोड़ से ज्यादा शेयर हैं। ये शेयर उनके पास सीधे और अलग-अलग पार्टनरशिप और ट्रस्ट के माध्यम से हैं।

क्या करती है कंपनी

एनवीडिया 4 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप हासिल करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हार्डवेयर की डिमांड में तेजी के साथ एनवीडिया के शेयरों में तेजी आई है और इसके साथ ही हुआंग की संपत्ति में भी इजाफा हुआ है। एनवीडिया के ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट बड़े लैंग्वेज मॉडल को बनाने और चलाने के लिए बहुत जरूरी हो गए हैं। तक्क एक तरह का प्रोसेसर होता है जो कंप्यूटर में ग्राफिक्स को प्रोसेस करने का काम करता है।

रिलिगेयर की फंडिंग योजना को मिली मंजूरी, बर्मन परिवार करेगा 750 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलिगेयर एंटरप्राइजेज बोर्ड ने कंपनी को 1,500 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह राशि वॉरंट्स के प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए जुटाई जाएगी। इसका उद्देश्य कंपनी के कारोबार विस्तार और रणनीतिक पहलों को गति देना है। रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (आरईएल) एक वित्तीय सेवा कंपनी है जो भारत में कई तरह की सेवाएं प्रदान करती है। यह मुख्य रूप से लघु और मध्यम उद्यमों को ऋण, किफायती आवास वित्त, स्वास्थ्य बीमा, और खुदरा ब्रोकिंग जैसी सेवाएं देती है।

बर्मन परिवार करेगा 750 करोड़ का निवेश - इस राशि में डाबर के मालिक बर्मन परिवार की कंपनियां 750 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी, जो कुल राशि का 50 प्रतिशत है। जबकि शेष राशि हिंदुस्तान टाइम्स लिमिटेड, निवेशक आशीष धवन, जेएम फाइनेंशियल क्रेडिट सॉल्यूशंस और अन्य



निवेशकों द्वारा दी जाएगी। रिलिगेयर ने कहा कि प्रवर्तकों ने 750 करोड़ रुपये का योगदान देकर कंपनी के विकास पथ के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। इससे विभिन्न क्षेत्रों में व्यवसाय वृद्धि को समर्थन मिलेगा और रणनीतिक पहल को बढ़ावा मिलेगा।

कैसे होगा वॉरंट्स जारी ? - कंपनी 235 रुपये प्रति वॉरंट की दर से 6.38 करोड़ वॉरंट्स जारी करेगी। इनमें से प्रत्येक को 10 रुपये के एक पूर्ण भुगतान इक्विटी शेयर में परिवर्तित किया जा सकेगा। ये वॉरंट 18 महीनों के भीतर कन्वर्ट किए जा सकते हैं।

शासन और निष्पादन क्षमताएं मजबूत होंगी- आरईएल ने बताया कि हाल ही में नियुक्त किए गए प्रमोटर नामित निदेशक बीमा, रणनीति और वित्तीय सेवाओं के क्षेत्रों में गहरी विशेषज्ञता रखते हैं। इससे शासन और निष्पादन क्षमताएं और मजबूत होंगी। कंपनी ने कहा कि इस पूंजी निवेश और नए नेतृत्व के साथ, आईएल अब अपने रणनीतिक फोकस को तेज करने, शासन मानकों को बढ़ाने, अपने मुख्य व्यवसायों को बढ़ाने और नए विकास के अवसरों का पीछा करने के लिए अच्छी स्थिति में है। इस फंडरेजिंग के लिए एक्सिस कैपिटल ने वित्तीय सलाहकार के रूप में कार्य किया।

टूट गया 15 साल का रेकॉर्ड... 6 महीने में दिवालिया हो चुकी 371 बड़ी कंपनियां, कैसे महान बनेगा अमेरिका?

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका का कर्ज 37 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका है और इसे कम करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया है। उनका मानना है कि इससे सरकार की इनकम बढ़ेगी और कर्ज का बोझ कम होगा। लेकिन पिछले छह महीने में अमेरिका में 371 बड़ी कंपनियां दिवालिया हो चुकी हैं। यह पिछले 15 साल में सबसे बड़ी संख्या है। इससे पहले साल 2010 में साल की पहली छमाही में अमेरिका में 468 कंपनियां दिवालिया हुई थीं।

पिछले साल पहली छमाही में अमेरिका में 335 कंपनियां दिवालिया



हुई थी। 2023 में यह संख्या 324 थी जबकि 2022 में 176 कंपनियां दिवालिया हुई थी। इस साल जून में 63 कंपनियों ने बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया जबकि मई में यह संख्या 64 थी। इस साल सबसे ज्यादा 58 इंडस्ट्रियल सेक्टर की कंपनियों ने बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया। 50 कंपनियां कंज्यूमर डिसक्रिशनरी और 27 कंपनियां हेल्थकेयर से जुड़ी हैं।

मेक इन अमेरिका पर जोर- अमेरिका में पिछले साल कुल 688 बड़ी कंपनियों ने बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया था जो 14 साल में सबसे बड़ी संख्या थी। पहली छमाही में यह संख्या 335 थी जबकि दूसरी छमाही में 353 कंपनियां दिवालिया हुई थीं। इससे पहले साल 2010 में अमेरिका में 828 कंपनियां दिवालिया हुई थीं। दिलचस्प बात यह है कि ये कंपनियां ऐसे समय दिवालिया हो रही है जब देश की इकॉनमी अच्छी प्रदर्शन कर रही है और राष्ट्रपति ट्रंप मेक इन अमेरिका पर जोर दे रहे हैं।

निवेश के लिए शेयर चुनने में है उलझन, तो मल्टीकैप फंड करेगा आपकी मुश्किल आसान

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शेयर बजार में निवेश करना चाहते हैं लेकिन लार्जकैप शेयरों में पैसा लगाएं या फिर मिडकैप या स्मॉलकैप में। अगर इनमें से कोई कैटेगिरी चुन भी लें तो कौनसे शेयर चुनें। इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। रोहित की तरह बड़ी संख्या में निवेशक शेयर बाजार में लिस्टेड पांच हजार से ज्यादा कंपनियों में से कुछ अच्छे शेयर चुनने को लेकर अक्सर उलझन में रहते हैं। अगर आप भी इसी तरह की दुविधा में हैं तो आपके लिए मल्टीकैप म्यूचुअल फंड अच्छा विकल्प हो सकता है। सेबी रजिस्टर्ड इंवेस्टमेंट एडवाइजर जितेंद्र सोलंकी के मुताबिक, मल्टीकैप फंड ऐसे निवेशकों के लिए सही हैं जो शेयर बाजार में निवेश तो करना चाहते हैं लेकिन यह तय नहीं कर पा रहे कि किस कैटेगिरी में निवेश करें। मल्टीकैप फंड में फंड मैनेजर तय करता है कि स्कीम का पैसा शेयर बाजार में कहां और कितना लगाना है।

कैसे काम करता है मल्टीकैप फंड- मल्टीकैप फंड ऐसे डायवर्सिफाइड इक्विटी फंड होते हैं जो अलग-अलग तरह की मार्केट कैप वाली कंपनियों के शेयरों में



निवेश करते हैं। यानी एक ही फंड में निवेश करके आपको सभी कैटेगिरी के शेयरों में निवेश का फायदा मिल जाएगा। मार्केट रेगुलेटर सेबी के नियमों के मुताबिक मल्टी कैप फंड की न्यूनतम 75 फीसद रकम इक्विटी में निवेश करनी होगी। साथ ही कम से कम 25-25 फीसद रकम का अलोकेशन लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप कैटेगिरी में करना होगा। बाकी रकम फंड मैनेजर अपने हिसाब से निवेश कर सकता है। इस स्कीम में फंड मैनजेर को बाजार में शेयर चुनने के बड़े पैमाने पर विकल्प मिलते हैं इसलिए वह जिस कैटेगिरी या सेक्टर में फायदा दिखता है, वहां अपना अलोकेशन बढ़ा देता है।

निवेश से पहले पिछला प्रदर्शन देखना जरूरी- जितेंद्र सोलंकी की सलाह है कि किसी स्कीम में निवेश करने से पहले उसका पिछला प्रदर्शन देखना भी जरूरी है. मल्टीकैप फंड इक्विटी कैटेगिरी की स्कीम है। घरेलू शेयर बाजार पिछले करीब चार महीने में 10 फीसद से ज्यादा टूट चुका है। बाजार में बड़ी गिरावट के बावजूद मल्टीकैप फंड की टॉप 5 स्कीमों ने पिछले एक साल में 20 से 24 फीसद तक का रिटर्न दिया है। इस दौरान एलआईसी के मल्टीकैप फंड ने 24 फीसद से ज्यादा का रिटर्न दिया है जबकि एक्सिस मल्टीकैप का फंड 22 फीसद से अधिक रहा है।

5 साल में मिला 28 फीसद तक रिटर्न- मल्टी एसेट फंड का 5 साल जैसी लंबी अवधि का प्रदर्शन भी शानदार रहा है। अगर टॉप 5 स्कीम की बात करें तो इनका रिटर्न 20 से 28 फीसद के बीच रहा है। क्वांट एक्टिव फंड ने पिछले 5 साल में सालाना आधार पर 28 फीसद और निप्पॉन इंडिया मल्टीकैप फंड ने 23 फीसद से ज्यादा का रिटर्न दिया है। बाकी तीन स्कीमों का रिटर्न भी 20 फीसद से ज्यादा का रहा है।

गिरते बाजार में भी अच्छा प्रदर्शन

एक्सपर्ट्स के अनुसार फंड मैनेजर को शेयर बाजार में कहीं भी निवेश करने की आजादी मिलने की वजह से ही मल्टी कैप फंड गिरते बाजार में भी अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के प्रोडक्ट मैनेजमेंट हेड राजेश जयरामन कहते हैं, अगर आप इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं तो मल्टीकैप फंड अच्छा विकल्प है। यह फंड लार्ज कैप, मिडकैप और स्मॉलकैप का मिश्रण है। आमतौर पर मल्टीकैप फंड का 40 से 45 फीसद अलोकेशन लार्जकैप फंड में किया जाता है. बाकी रकम मिड और स्मॉलकैप फंड में लगाई जाती है। इससे पोर्टफोलियो का अच्छा संतुलन बन जाता है।

इस तरह अगर बाजार में बड़ी गिरावट आती है तो लार्जकैप स्टॉक बड़े नुकसान से बचा सकते हैं। दूसरी ओर तेजी के दौर में मिड और स्मॉलकैप स्टॉक ज्यादा फायदा करा सकते हैं। अगर आपको बाजार की बारीकी जानकारी नहीं है और रिस्क लेना पसंद है तो मल्टी कैप फंड में निवेश कर सकते हैं।

टी20आई त्रिकोणीय श्रृंखला:

फिन एलन चोटिल, इस कीवी बल्लेबाज की न्यूजीलैंड टीम में एंट्री



नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार डेवोन कॉनवे, मिच हे, जिमी नीशम और टिम रॉबिन्सन जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की टी20आई टीम में शामिल होने के लिए तैयार हैं। त्रिकोणीय श्रृंखला 14 जुलाई को मेजबान जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगी जबकि न्यूजीलैंड अपना पहला मुकाबला 16 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगा। 26 जुलाई को खेले जाने वाले फाइनल से पहले दोनों टीमें एक-दूसरे से दो-दो मैच खेलेंगी।

विकेटकीपर-बल्लेबाज कॉनवे, फिन एलन की जगह लेंगे जो संयुक्त राज्य अमेरिका में चल रही मेजर लीग क्रिकेट में खेलते हुए पैर में लगी चोट के कारण श्रृंखला से बाहर हो गए थे। न्यूजीलैंड में आगे के परामर्श के बाद एलन के ठीक होने की समय-सीमा तय की जाएगी। हे, नीशम और रॉबिन्सन माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र के अतिरिक्त कवर के रूप में टीम में शामिल हुए हैं, जो सोमवार को होने वाले मेजर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में हैं। कीवी टीम के मुख्य कोच, रॉब वाल्टर, इस बात से निराश थे कि फिन एलन इस टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

रॉब वाल्टर ने कहा, हम फिन के लिए बहुत निराश हैं, मैं उनके साथ काम करने और एमएलसी से उनके शानदार प्रदर्शन को जारी रखने के लिए उत्सुक था, लेकिन दुर्भाग्य से चोटें लग जाती हैं। हम भाग्यशाली हैं कि फिन की जगह डेवोन जैसे बेहतरीन खिलाड़ी को टीम में शामिल कर पाए हैं।

टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला का शेड्युल:

14 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम दक्षिण अफ्रीका
16 जुलाई - दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड
18 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम न्यूजीलैंड
20 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम दक्षिण अफ्रीका
22 जुलाई - न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका
24 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम न्यूजीलैंड
26 जुलाई - फाइनल।

WWE में शोक की लहर, रेसलर की गोली मारकर हत्या, कोई नहीं बचा सका जान

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रोफेशनल रेसलिंग की दुनिया में कहानियां, उत्साह और रोमांच तो होता ही है, लेकिन कभी-कभी दुखद घटनाएं भी इसका एक हिस्सा बन जाती हैं। हाल ही में रेसलिंग जगत को एक और बड़ा झटका लगा है। अनुभवी रेसलर केविन निकेल, जिन्हें रिंग में इवान वारसॉ और नक्कल्स मैडसेन के नाम से जाना जाता था उनका 41 साल की आयु में निधन हो गया है। निकेल ने इंडिपेंडेंट रेसलिंग सीन और TSW, UWN और मेम्फिस रेसलिंग जैसे कई प्रमोशन्स में लगभग दो दशक बिताए, जहां उन्होंने अपनी एक खास पहचान बनाई थी।

अर्कांसस में गोली लगने से हुई मौत - यह दुखद खबर तब सामने आई जब यह पता चला कि वारसॉ को अर्कांसस में एक घटना के दौरान गोली मार दी गई थी। शुक्रवार की रात उन्हें पेट में गोली लगी और तत्काल अस्पताल ले जाने के बावजूद, उन्हें बचाया नहीं जा सका। बेंटन काउंटी शेरिफ ऑफिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार की सुबह ईस्ट हाईवे 12 के पास हुई थी। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्होंने देखा कि 41 साल के रेसलर के पेट से खून बह रहा था। बेंटन काउंटी शेरिफ ऑफिस की प्रवक्ता लेफ्टिनेंट शैनन जेनकिंस ने इस बात की पुष्टि की कि रोजर्स के पास शुक्रवार की सुबह एक आदमी को गोली मार दी गई और उसकी मौत हो गई। हालांकि, इस घटना से जुड़ी अन्य विस्तृत जानकारी अभी जारी नहीं की गई है।

विंबलडन 2025:

इगा स्वियातेक ने रचा इतिहास

पोलैंड को दिलाया पहला महिला सिंगल्स खिताब



लंदन, एजेंसी। लंदन की हरी घास पर, जहां हर कदम इतिहास बनता है और हर विजेता अमरता की ओर बढ़ता है, वहीं 12 जुलाई 2025 को पोलैंड की 24 वर्षीय टेनिस स्टार इगा स्वियातेक ने एक ऐसा मुकाम हासिल किया, जो अब तक उनके देश के लिए केवल सपना था। उन्होंने विंबलडन महिला सिंगल्स का खिताब जीतकर न केवल अपने करियर का पहला विंबलडन टाइटल अपने नाम किया, बल्कि वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पोलैंड की पहली महिला खिलाड़ी भी बन गईं। फाइनल में इगा ने अमेरिका की अमांडा एनिसिमोवा को मात्र 57 मिनट में 6-0, 6-0 से हराकर एकतरफा अंदाज़ में खिताब अपने नाम किया। टेनिस की दुनिया में इस तरह के स्कोर को 'डबल बैगेल' कहा जाता है – एक ऐसी स्थिति जहां सामने वाला खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत पाता। यह प्रदर्शन न केवल तकनीकी रूप से श्रेष्ठ था, बल्कि मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास का एक ऐसा प्रदर्शन था जिसे वर्षों तक याद रखा जाएगा। इगा के इस जीत की विशेषता सिर्फ उसकी तेज़ी और सटीकता में नहीं थी, बल्कि इस बात में थी कि वह विंबलडन में अब तक कभी इस स्तर पर नहीं पहुंची थीं। फ्रेंच ओपन में चार बार खिताब जीत चुकीं और एक बार यूएस ओपन की चैंपियन रह चुकीं स्वियातेक को विंबलडन की घास पर कभी-कभी असहज भी महसूस हुआ करता था। मगर इस साल कुछ बदला हुआ था – खेल में एक अलग निखार, चेहरे पर आत्मविश्वास की एक नई चमक, और हर सर्व में छिपी चुपचाप की गई मेहनत।

मैच के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वे विंबलडन जीतेंगी। उनका कहना था, ÷मैंने इसका सपना भी नहीं देखा था, यह मेरे लिए काफी दूर की बात लगती थी। मैंने ग्रैंड स्लैम जीते हैं, खुद को अनुभवी मानती हूं, लेकिन विंबलडन... इसकी कल्पना नहीं की थी।÷ उनकी आँखों में वह आभार साफ़ झलक रहा था, जो केवल एक सच्चे चैंपियन में होता है – जो जितना ऊँचा उठता है, उतना ही विनम्र बनता जाता है।

इगा की प्रतिद्वंद्वी अमांडा एनिसिमोवा के लिए यह पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल था। 21 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी के लिए यह सफर बहुत प्रेरणादायक रहा, भले ही फाइनल उनके लिए किसी बुरे सपने जैसा रहा हो। लेकिन टेनिस की दुनिया जानती है कि अनुभव ही खिलाड़ी को परिपक्व बनाता है, और अमांडा को यह अनुभव आगे ज़रूर मजबूत बनाएगा। इगा ने भी उन्हें मंच से सराहते हुए कहा कि वो चाहती हैं कि वे दोनों मिलकर भविष्य में और भी कई फाइनल मुकाबले खेलें।

स्वियातेक की इस उपलब्धि ने पोलैंड को गर्व से भर दिया है। राजधानी वारसा में प्रशंसकों ने स्क्रीन पर लाइव मैच देखा और जीत के बाद सड़कों पर उतरकर जश्न मनाया। पोलैंड के राष्ट्रपति ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह सिर्फ एक टेनिस खिताब नहीं, बल्कि पूरे देश की उम्मीदों और आत्मविश्वास की जीत है। इगा अब पोलैंड की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा बन चुकी हैं, जैसे रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने फुटबॉल में किया था, अब वही इगा ने टेनिस में किया।

इस जीत के साथ इगा स्वियातेक अब छह ग्रैंड स्लैम खिताबों की विजेता बन चुकी हैं – चार फ्रेंच ओपन, एक यूएस ओपन और अब एक विंबलडन। इस आंकड़े से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है यह संकेत कि वह मौजूदा दौर की सबसे निरंतर और खतरनाक खिलाड़ी बन चुकी हैं। वर्ल्ड नंबर वन की रैंकिंग अब सिर्फ एक संख्या नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे वे बखूबी निभा रही हैं।

दिग्गज टेनिस खिलाड़ियों ने भी उनकी जीत को ऐतिहासिक करार दिया। मार्टिना नवरातिलोवा ने कहा कि इगा का प्रदर्शन उन विरले मैचों में से एक था, जहां मानसिक संतुलन और तकनीकी महारत का आदर्श संगम दिखा। वहीं रोजर फेडरर ने कहा कि घास के कोर्ट पर इस स्तर की नियंत्रण क्षमता असाधारण है और इगा का सफर अब नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ता हुआ दिख रहा है।

विंबलडन की यह जीत स्वियातेक के लिए सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं थी, यह एक प्रतीक थी – उस धैर्य, समर्पण और जुनून की जो एक खिलाड़ी को महान बनाता है। उन्होंने न केवल अपने आलोचकों को जवाब दिया, बल्कि उन लाखों युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा दी, जो मानते हैं कि कुछ सतहें, कुछ परिस्थितियाँ या कुछ प्रतियोगिताएं उनकी क्षमता के बाहर हैं।

इगा ने दिखाया कि जब मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास एक साथ चलते हैं, तो सबसे कठिन मंच भी जीत का गवाह बन जाता है। विंबलडन 2025 में उनके नाम के साथ अब सिर्फ ट्रॉफी नहीं जुड़ी है – अब इतिहास में एक चमकदार अध्याय लिखा जा चुका है, जो आने वाले वर्षों तक टेनिस प्रेमियों के दिलों में जीवित रहेगा ।

भारत बनाम इंग्लैंड:

अपनी पहली ही टी20 सीरीज में श्री चरणी ने बनाया अनूठा रिकॉर्ड



नई दिल्ली, एजेंसी। भले ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में पांचवें टी20 मैच को पांच विकेट से गंवा दिया, लेकिन इस सीरीज में बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने अनूठा कारनामा किया। 20 वर्षीय श्री चरणी ने इसी सीरीज में अपने टी20 करियर की शुरुआत की। उन्होंने सीरीज के सभी पांच मैच खेले, जिसमें 14.8 की औसत के साथ 10 विकेट अपने नाम किए। इसी के साथ श्री चरणी टी20 सीरीज में सर्वाधिक विकेट लेने वाली भारतीय महिला खिलाड़ियों की लिस्ट में संयुक्त रूप से पहले पायदान पर पहुंच गई हैं। श्री चरणी के अलावा राधा यादव भी एक ही टी20 सीरीज में 10 विकेट लेने का कारनामा कर चुकी हैं। राधा यादव ने साल 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ ऐसा किया था।

इस लिस्ट में श्री चरणी-राधा यादव के बाद दीप्ति शर्मा का नाम है, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ इसी सीरीज में 9 विकेट लिए हैं। श्री चरणी टी20 सीरीज से पहले वनडे फॉर्मेट में डेब्यू कर चुकी हैं। उन्होंने अपने करियर में पांच वनडे मैच खेले, जिसमें उनके नाम छह विकेट दर्ज हैं। श्री चरणी ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 12 रन देकर चार विकेट चटकाए थे। इसके बाद अगले तीन मुकाबलों में उन्होंने दो-दो शिकार किए। हालांकि, अंतिम मैच में उन्हें कोई विकेट हाथ नहीं लग सका। भारत-इंग्लैंड के बीच खेली गई इस सीरीज को टीम इंडिया ने 3-2 से अपने नाम किया है। एजबेस्टन में सीरीज के पांचवें मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट खोकर 167 रन बनाए। भारत की इस पारी में शेफाली वर्मा ने 41 गेंदों में एक छक्के और 13 चौकों की मदद से 75 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से चार्ली डीन ने सर्वाधिक तीन विकेट झटके, जबकि सोफी एक्लेस्टोन को दो विकेट हाथ लगे।

इसके जवाब में इंग्लैंड ने अंतिम गेंद पर जीत दर्ज की। इंग्लैंड को सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। सोफिया डंकले और डेनियल व्याट-हॉज ने 10.4 ओवरों में 101 रन जोड़े। डंकले 30 गेंदों में 46 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि डेनियल ने 37 गेंदों में 56 रन की पारी खेली। इनके अलावा, कप्तान टैमी ब्यूमोंट ने 30 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा और अरुंधति रेड्डी को दो-दो विकेट हाथ लगे। वहीं, राधा यादव ने एक विकेट अपने नाम किया।

बीएफआई इलेक्शन:

बीएफआई चुनावों में देरी का मामला, आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने वजह पता लगाने के लिए समिति गठित की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के चुनावों में हो रही देरी के कारणों का पता लगाने और निष्पक्ष तथा समय पर चुनाव सुनिश्चित करने के लिए एक खाके की सिफारिश करने हेतु तीन सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग समिति का गठन किया है। शुक्रवार को गठित इस समिति की अध्यक्षता आईओए के कोषाध्यक्ष सहदेव यादव करेंगे, जबकि आईओए कार्यकारी परिषद के सदस्य भूपेंद्र सिंह बाजवा और अधिवक्ता पायल काकरा इसके सदस्य हैं। आईओए के 11 जुलाई के कार्यालय आदेश में उषा ने कहा, बीएफआई की वर्तमान कार्यकारी समिति का कार्यकाल दो फरवरी को समाप्त हो गया था और तब से नए चुनाव नहीं हुए हैं। आदेश में कहा गया कि यह समिति बीएफआई की वर्तमान कानूनी और प्रशासनिक स्थिति की जांच करेगी और भारत में मुक्केबाजी के संचालन और कामकाज पर देरी के प्रभावों का आकलन करेगी। यह समिति विश्व मुक्केबाजी के साथ बातचीत सहित आवश्यक कार्रवाई की सिफारिश करेगी और निष्पक्ष एवं समय पर चुनाव कराने के लिए एक स्पष्ट खाका सुझाएगी। समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है जिससे कि विश्व मुक्केबाजी के समक्ष तथ्यात्मक स्थिति प्रस्तुत की जा सके। इस समिति का गठन खेल मंत्रालय द्वारा पांच जुलाई को लिखे गए एक पत्र के बाद हुआ है जिसमें उषा से अनुरोध किया गया था कि विश्व मुक्केबाजी के साथ परामर्श करके एक उपयुक्त व्यवस्था तैयार करें ताकि राष्ट्रीय खेल संहिता 2011 और बीएफआई के उपनियमों के अनुसार जल्द से जल्द चुनाव सुनिश्चित किए जा सकें।



पदकों की हैट्रिक की ओर बढ़ रही ज्योति सुरेखा, भारत ने तीरंदाजी विश्व कप जीता कांसा और चांदी



नई दिल्ली, एजेंसी। मैड्रिड में तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में भारत ने महिला कंपाउंड स्पर्धा में रजत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। ज्योति सुरेखा वेन्नम ने भारत की मेडल रेस की अगुआई की। अब उनकी नजर पदकों की हैट्रिक पर है। भारत ने महिला कंपाउंड टीम के रजत और मिश्रित टीम के कांस्य पदक स मैड्रिड में तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में दो पोडियम स्थान हासिल किए।

भारत ने महिला कंपाउंड टीम के रजत और मिश्रित टीम के कांस्य पदक से शनिवार को मैड्रिड में तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में दो पोडियम स्थान हासिल किए जिसमें ज्योति सुरेखा वेन्नम पदकों की हैट्रिक की ओर बढ़ रही हैं। हालांकि, पदक जीतने के बावजूद इस प्रदर्शन ने मुश्किल परिस्थितियों के दबाव में भारतीय तीरंदाजों की असक्षमता को उजागर कर दिया।

क्वालिफिकेशन दौर में कुल 2116 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल करने वाली ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और पदार्पण कर रही 16 वर्षीय पृथिका प्रदीप की तिकड़ी स्वर्ण पदक की ओर बढ़ती दिख रही थी और तीसरे दौर के बाद 170-169 की बढ़त बनाए थी। लेकिन यह तिकड़ी निर्णायक क्षण में आए दबाव में लड़खड़ा गई और चीनी ताइपे से 225-227 से हारकर स्वर्ण पदक से चूक गई।

चीनी ताइपे की तिकड़ी को स्वर्ण - इस हार ने फिर टीम की मानसिक कमजोरियों को उजागर कर दिया और 2022 एशियाई खेलों के बाद कंपाउंड कोच सर्जियो पाग्नी के जाने के बाद से पैदा हुए खालीपन को भी उजागर कर दिया। चीनी ताइपे की हुआंग आई-जौ, चेन यी-हसुआन और चिउ यू-एर्ह की तिकड़ी ने संयम बनाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बाद में मिश्रित टीम स्पर्धा में ज्योति और ऋषभ यादव की शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 10वीं वरीयता प्राप्त एल साल्वाडोर की पाओला कोराडो और डगलस व्लादिमीर नोलास्को की जोड़ी को 156-153 से हराकर कांस्य पदक जीता।

ज्योति सुरेखा के साथ परनीत कौर भी प्रतिस्पर्धा में - भारतीय मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ने पहले दिन कुल 1431 अंकों के साथ क्वालीफाइंग विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था। भारतीय मिक्स्ड डबल्स जोड़ी शुक्रवार को सेमीफाइनल में उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी थी और 12वीं वरीयता प्राप्त नीदरलैंड्स से 152-155 से हार गई थी। ज्योति सुरेखा व्यक्तिगत स्पर्धा में परनीत कौर के साथ भी प्रतिस्पर्धा में हैं और दोनों तीरंदाजों को दिन में अपने-अपने सेमीफाइनल में हिस्सा लेना है।

डब्ल्यूपीएल ने खिलाड़ियों की प्रगति में अहम भूमिका निभाई, टी-20 श्रृंखला जीत के बाद बोले मजूमदार

बर्मिंघम, एजेंसी। भारतीय कोच अमोल मजूमदार ने इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार महिला टी20 श्रृंखला जीतने की ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय महिला प्रीमियर लीग को देते हुए कहा कि इसने खिलाड़ियों की प्रगति में 'अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय प्रतिस्पर्धी घरेलू सत्र को भी दिया। भारत शनिवार को पांचवां और अंतिम मैच हार गया लेकिन श्रृंखला 3-2 से अपने नाम कर ली।

मजूमदार ने पांचवें टी20 में अंतिम गेंद पर भारत की पांच विकेट की हार के बाद कहा, खिलाड़ियों की प्रगति का एक अहम हिस्सा रहा है। इसमें कोई शक नहीं है। लेकिन भारत में और भी टूर्नामेंट हैं जिन पर हमारी नजर है। बहुत सारे घरेलू खिलाड़ी खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, बीसीसीआई की पहल का एक हिस्सा मात्र है। इसलिए मुझे लगता है कि डब्ल्यूपीएल हमारे लिए एक सुखद अनुभव रहा है। लेकिन साथ ही ऐसे अन्य टूर्नामेंट भी हैं जो महत्वपूर्ण हैं। भारत की पदार्पण करने वाली बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 10 विकेट लेकर श्रृंखला जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपने खेलने के



दिनों में घरेलू स्तर पर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे मजूमदार ने कहा कि वह 'डब्ल्यूपीएल की खोज रहीं। बीस वर्षीय चरणी को उनके अभूतपूर्व प्रदर्शन के लिए श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। हालांकि शनिवार को उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। मजूमदार ने कहा, 'मुझे लगता है, आप जानते हैं, डब्ल्यूपीएल से हमने उन्हें पहचाना और फिर मुझे लगता है कि उनकी प्रगति शानदार रही है। हम एक बाएं हाथ की स्पिनर की तलाश में थे और वह इस काम के लिए बिल्कुल सही बैठी हैं। मजूमदार ने कहा कि इस श्रृंखला में सबसे अहम बात भारत की गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण रहा जिसने पहले से ही मजबूत बल्लेबाजी क्रम का अच्छा साथ निभाया।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि सबसे अहम बात हमारी गेंदबाजी थी। इसमें कोई शक नहीं है। भारत से रवाना होने से पहले हमारे पास एक रणनीति थी। हमारा शिविर अच्छा था और हमने अपनी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण पर काफी ध्यान दिया जिसका असर इस श्रृंखला में दिखा। मुझे लगता है कि सबसे बड़ी उपलब्धि हमारी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण रहे।

शेफाली वर्मा के अर्धशतक के बावजूद हारा भारत, इंग्लैंड में पहली बार टी20 सीरीज जीती

बर्मिंघम, एजेंसी। इंग्लैंड की सरजमीं पर पहली बार टी20 श्रृंखला जीत सुनिश्चित करने वाली भारतीय महिला टीम को शनिवार को यहां पांचवें और अंतिम टी20 मैच में मेजबान टीम के खिलाफ अंतिम गेंद पर पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने हालांकि श्रृंखला 3-2 से जीती। भारत ने शेफाली वर्मा की 75 रन की तेजतर्रार पारी से सात विकेट पर 167 रन बनाए लेकिन इंलैंड ने अंतिम गेंद पर पांच विकेट शेष रहते 168 रन बनाकर मैच जीत लिया।

टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने एम आर्लोट (42 रन पर एक विकेट) पर लगातार दो चौकों के साथ शुरुआत की लेकिन अंतिम गेंद पर लिन्से स्मिथ को कैच दे बैठीं। जेमिमा रोड्रिग्ज भी सिर्फ एक रन बनाकर लिन्से की गेंद पर बोल्ड हो गईं जिससे भारत का स्कोर दो विकेट पर 19 रन हो गया। शेफाली और कप्तान हरमनप्रीत कौर (15) ने इसके बाद तीसरे विकेट के लिए 43 गेंद में 66 रन की साझेदारी की। ऑफ स्पिनर चार्ली डीन (23 रन पर तीन विकेट) ने हरमनप्रीत को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा। हरलीन देओल भी सिर्फ चार रन बनाने के बाद सोफी एकलेस्टोन (28 रन पर दो विकेट) की गेंद पर बोल्ड हो गईं। शेफाली ने एक छोर संभाले रखा।



उन्होंने सातवें ओवर में तेज गेंदबाज इसी वोंग पर तीन चौके और एक छक्के से 20 रन बटोरे। शेफाली ने एकलेस्टोन पर कवर्स में चौका जड़कर सिर्फ 23 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जो महिला टी20 में किसी भारतीय का संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है।

माइया बूचियर ने 14वें ओवर में डीन की गेंद पर शेफाली का शानदार कैच लपकर भारत का स्कोर पांच विकेट पर 111 रन किया। शेफाली ने 41 गेंद का सामना करते हुए 14 चौके और एक छक्का मारा। विकेटकीपर रिचा घोष ने इसके बाद 16 गेंद में 24 जबकि राधा यादव ने 14 गेंद में 14 रन की पारी खेली जिससे भारत ने अंतिम 41 गेंद में 56 रन जोड़े। लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाजों सोफिया डंक्ले (46 रन, 30 गेंद) और डेनियली वॉट हॉज (56 रन, 37 गेंद) ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 10.4 ओवर में 101 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड को शानदार शुरुआत दिलाई।

भारत ने शतकीय साझेदारी के बाद डंक्ले और वॉट हॉज को जल्दी-जल्दी आउट करके वापसी का प्रयास किया लेकिन कप्तान टैमी ब्युमोंट (30) और बूचियर (16) ने मेजबान टीम को जीत दिला दी। इंग्लैंड को अंतिम ओवर में जीत के लिए छह रन की दरकार थी। अरुंधति रेड्डी (47 रन पर दो विकेट) ने ब्युमोंट और ऐमी जोन्स को आउट किया लेकिन एकलेस्टोन और पेज स्कोफील्ड ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। दोनों टीमों के बीच अब 16 जुलाई से साउथम्पटन में तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला खेली जाएगी।

शिल्पा शेट्टी जिन्हे इंटरनेट ने बनाया स्टार

अब सुपर डांसर का मंच बनाएगा उन्हें सुपरस्टार



सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का बेहद लोकप्रिय डांस रियलिटी शो 'सुपर डांसर' चार साल के अंतराल के बाद एक बार फिर दर्शकों के बीच लौट रहा है। इस बार का सीज़न बेहद खास है, क्योंकि इसमें भाग लेने वाले 12 प्रतिभागी न सिर्फ बेहतरीन डांसर हैं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी बड़े सितारे बन चुके हैं। अपने वायरल डांस मूव्स से इंटरनेट पर धूम मचाने के बाद अब ये युवा कलाकार एक नई चुनौती के लिए तैयार हैं। ये सभी मिलकर लाइव मंच पर अपने दमदार टैलेंट से जजेस और दर्शकों का दिल जीतेंगे। शिल्पा शेट्टी ने कहा, हर कंटेस्टेंट अपनी एक अलग स्टाइल और विविधता लेकर आया है। ये युवा कलाकार बेहद आत्मविश्वासी हैं और सोशल मीडिया पर इनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है।

इंटरनेट ने जिन्हें बनाया स्टार, अब स्टेज बनाएगा उन्हें सुपरस्टार इस सीज़न की थीम को यह पंक्ति बहुत ही खूबसूरती से बयाँ करती है। बहुत से लोगों के साथ मैंने भी इनकी परफॉर्मेंस इंटरनेट पर देखी और बहुत मुझे यह खूब पसंद आई, लेकिन अब इन्हें सुपर डांसर जैसे भव्य मंच पर लाइव परफॉर्म करते देखना वाकई रोमांचकारी होगा। मुझे यकीन है कि इस सीजन में कुछ जबरदस्त परफॉर्मेंसेस देखने को मिलेंगी और दर्शक इसे भरपूर एन्जॉय करेंगे। शिल्पा शेट्टी, गीता कपूर और मरज़ी पेस्टनजी की तिकड़ी इस शो को जज करेगी। आगामी सीजन हाई-एनर्जी परफॉर्मंस, यूनिक डांस स्टाइल और जुनून की दावत देता है। सुपर डांसर चैप्टर 5 की शुरुआत होगी 19 जुलाई को, हर शनिवार-रविवार रात 8 बजे सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न और सोनीलिव पर.

मैंने धुरंधर जैसी फिल्म

पहले कभी नहीं देखी: अर्जुन रामपाल



अभिनेता अर्जुन रामपाल अपनी आने वाली फिल्म धुरंधर को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने फिल्म के फर्स्ट लुक को मिल रही प्रतिक्रिया पर खुशी जाहिर की और कहा कि यह फिल्म उनकी अब तक की किसी भी फिल्म से बिल्कुल अलग है। अभिनेता ने कहा कि ऐसी फिल्म उन्होंने पहले कभी नहीं देखी। अर्जुन ने कहा, फिल्म को बनाने से पहले मेकर्स ने काफी रिसर्च किया है। इसे बेहद अलग अंदाज में बनाया गया है। फिल्म की पूरी टीम ने अपने-अपने काम में पूरी मेहनत की है। फिल्म के फर्स्ट लुक को मिल रही प्रतिक्रिया को देखने के बाद मैंने निर्देशक आदित्य धर को गले लगा लिया।

फिल्म में अर्जुन के अलावा रणवीर सिंह, आर माधवन, संजय दत्त और अक्षय खन्ना भी अहम किरदार में हैं। अर्जुन ने इस फिल्म में एक ग्रे किरदार निभाया है। ग्रे किरदार उन्हें कहते हैं जो पूरी तरह से अच्छे या बुरे नहीं होते। उनमें दोनों तरह के गुण शामिल होते हैं। फर्स्ट लुक में अर्जुन विंटेज मेटैलिक शेड्स, घनी दाढ़ी और रॉ एक्सप्रेशन्स के साथ दिखाई दे रहे हैं। अर्जुन ने कहा, फिल्म में मेरे किरदार में थोड़ा गुस्सा और सही-गलत का मिलाजुला भाव होगा, जो दर्शकों के लिए बिलकुल नया और अनोखा होगा।

आदित्य धर ने इस कहानी को बहुत ही शानदार तरीके से पर्दे पर उतारा है, जिससे सभी कलाकार बहुत अलग और दमदार लग रहे हैं। धुरंधर फिल्म को आदित्य धर ने न सिर्फ निर्देशित किया है, बल्कि इसकी कहानी को लिखा भी है। यही नहीं, ज्योति देशपांडे और लोकेश धर के साथ मिलकर प्रोड्यूस भी किया है। धुरंधर की कहानी भारत-पाकिस्तान के आपसी संघर्ष के बीच एक सीक्रेट मिशन से प्रेरित बताई जा रही है। इसमें एक सीक्रेट मिशन के तहत पाकिस्तान के एक खूंखार आतंकी के खात्मे का तानाबाना दिखाया जाएगा। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और बी62 स्टूडियोज द्वारा निर्मित फिल्म धुरंधर 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हर्षवर्धन राणे को एक्शन करते हुई लगी चोट



हर्षवर्धन राणे को फिल्म 'सिला' की शूटिंग के दौरान चोट लगी। यह उनके एक्टिंग करियर की पहली चोट है। चोट लगने के बाद एक्टर ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की। जिसमें अक्षय कुमार, जॉन अब्राहम का जिक्र किया। हर्षवर्धन की नजर में इन एक्टर्स के लिए सम्मान अब और बढ़ चुका है। हर्षवर्धन राणे ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। जिसमें वह एक बर्फ के पानी वाले ड्रम में बैठे हैं। एक्टर के कंधे पर चोट के निशाने हैं। इस वीडियो को पोस्ट करने के साथ ही एक्टर ने एक कैप्शन भी साझा किया है। वह कैप्शन में लिखते हैं, 'आज फिल्म 'सिला' के लिए एक्शन सीन शूट करते हुए मुझे चोट लगी, ये निशान पड़ गया। यह मेरे करियर में पहली चोट का निशान है।' फिल्म 'सिला' एक रोमांटिक एक्शन ड्रामा फिल्म है।

शाहिद कपूर ने मजेदार अंदाज में बताया कि वह किस चीज के प्रशंसक हैं

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर ने हाल ही में एक मजेदार अंदाज में खुलासा किया है कि उन्हें सुबह की फ्लाइट बेहद पसंद हैं। उन्होंने इन फ्लाइट्स को बेहतरीन बताया। अभिनेता शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक सेल्फी शेयर की। तस्वीर में उनका आधा चेहरा दिखाई दे रहा है। तस्वीर शेयर कर उन्होंने कैप्शन में लिखा, सुबह की फ्लाइट का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। शाहिद, निर्देशक विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित अपकमिंग एक्शन थ्रिलर फिल्म देवा के लिए तैयारी कर रहे हैं। गैंगस्टर फिल्म में उनके साथ तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर और रणदीप हुड्डा भी हैं। यह 1990 के दशक की मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। अर्जुन उस्तारा 1990 के दशक की एक प्रेम कहानी है, जो एक्शन और गैंगस्टर्स से भरपूर है। फिल्म की कहानी आज़ादी के बाद के मुंबई के अंडरवर्ल्ड पर आधारित है। इससे पहले अभिनेता और उनकी पत्नी मीरा राजपूत कपूर ने 7 जुलाई को वैवाहिक जीवन के 10 साल पूरे होने का जश्न मनाया। मीरा ने इंस्टाग्राम पर पुरानी तस्वीरें शेयर कीं, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, दस साल बाद भी आप वैसे ही हो, हमेशा के लिए मेरे। आप और मैं और अब हम... मीरा और शाहिद की इन तस्वीरों ने फैंस का दिल जीत लिया। वहीं, कुछ सेलेब्स ने उन्हें एनिवर्सरी की बधाई भी दी थी। शाहिद कपूर ने मीरा राजपूत से साल 2015 में शादी की थी। उस वक्त मीरा सिर्फ 20 साल की थीं। दोनों की अरेंज मैरिज थी।



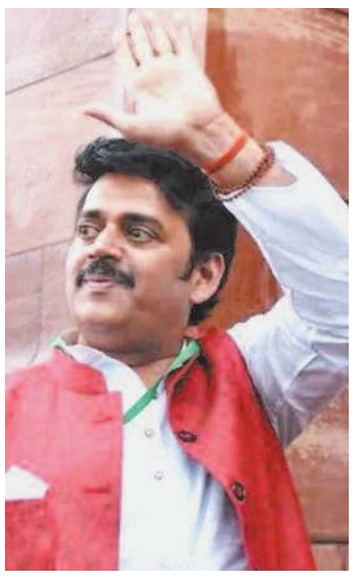
सन ऑफ़ सरदार 2 में पहली बार सरदार की भूमिका निभाएंगे रवि किशन: बहुप्रतिभाशाली स्टार का नया अवतार



अभिनेता और सांसद रवि किशन, जो अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और विभिन्न भाषाओं में शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं, अब सन ऑफ़ सरदार 2 में एक बिलकुल नए अवतार में नजर आने वाले हैं। अपने करियर में पहली बार वे पगड़ी पहनकर एक सरदार की भूमिका निभा रहे हैं – एक ऐसा किरदार जो खासकर उत्तर भारत में गहरी सांस्कृतिक और भावनात्मक गूंज रखता है।

फिल्म के बहुप्रतीक्षित ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान रवि किशन ने अपनी इस भूमिका को लेकर उत्साह और निजी जुड़ाव साझा किया। उन्होंने कहा, आपने मुझे कई किरदारों में देखा होगा, लेकिन सरदार के रूप में पहली बार देखेंगे। हमारे बिहार और यूपी के इलाके में, खासकर गोरखपुर जहां मेरी लोकसभा सीट है, वहां बहुत बड़ी सरदारों की आबादी है। 20-25 हजार से ज्यादा लोग हैं और दर्जनों गुरुद्वारे हैं। वहां की पूरी कम्युनिटी बहुत उत्साहित है, और अब पूरा उत्तर भारत मुझे एक सरदार के रूप में देखेगा। यह नया किरदार रवि किशन के बहुआयामी करियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो भोजपुरी, हिंदी, तेलुगु और दक्षिण भारतीय सिनेमा में फैला हुआ है।

गंभीर ड्रामा, एक्शन या कॉमेडी–हर भूमिका में वह गहराई और सच्चाई लाते हैं। दिलचस्प बात ये है कि यह किरदार पहले संजय दत्त के लिए लिखा गया था, लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था। इस बारे में बात करते हुए रवि किशन ने कहा संजू बाबा को पहले ये रोल करना था, लेकिन वो नहीं हो पाया। जब अजय सर ने मुझे ऑफर किया तो मैं वाकई बहुत टेंशन में आ गया। डर लगा कि ये कैसे होगा।



मिसेज़ की सफलता के बाद, सान्या मल्होत्रा एक्शन-कॉमेडी फ़िल्म में निभाएंगी मुख्य भूमिका

हाल ही में अपनी फ़िल्म मिसेज़ के लिए सराहना बटोरने के बाद, बहुमुखी अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अब बड़े पर्दे पर एक बिल्कुल नए अवतार में नज़र आने वाली हैं। इस बार वह एक पूरी तरह से मसालेदार एक्शन-कॉमेडी फ़िल्म में दिखाई देंगी, जो 2025 में रिलीज़ होने वाली है। आज इस फ़िल्म की आधिकारिक घोषणा की गई, जहाँ सान्या फ़िल्म की कोर टीम के साथ नज़र आईं। यह प्रोजेक्ट सान्या मल्होत्रा के करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहाँ वह हाई-कॉन्सेप्ट कमर्शियल एंटरटेनर्स की ओर तेज़ी से बढ़ रही हैं। अपनी अभिनय क्षमता और विविध किरदारों के लिए पहचानी जाने वाली सान्या का यह नया एक्शन-कॉमेडी अंदाज़ दर्शकों को हास्य, साहस और सिनेमाई प्रभाव का एक ताज़ा मिश्रण पेश करता है। अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए, सान्या ने लिखा- आप लोगों के साथ इसे शेयर करते हुए बहुत खुशी हो रही है ?? सिनेमाघरों में मिलते हैं! सान्या मल्होत्रा, जिन्होंने लगातार दमदार अभिनय किया है, चाहे वो दमदार ड्रामा हो या कमर्शियल हिट, अपनी पीढ़ी की सबसे रोमांचक प्रतिभाओं में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए हैं। अब वह आगाज़ एंटरटेनमेंट के साथ एक एक्शन-कॉमेडी अवतार में कदम रख रही हैं, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और उम्मीदें दोनों बढ़ गई हैं।

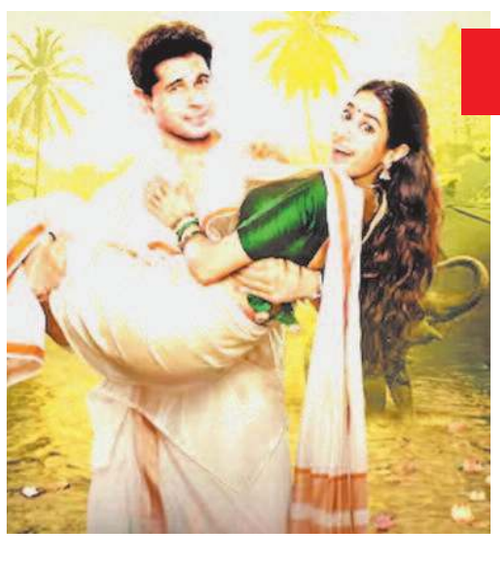
दीपिका ने बताया उनके लिए क्या है सेल्फ केयर का मतलब

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह मास्क लगाए नजर आ रही हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने सेल्फ केयर के महत्व पर एक संदेश भी लिखा। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक मिरर सेल्फी शेयर की। अभिनेत्री ने फेस मास्क लगाया हुए, और दर्पण के सामने पोज देते हुए हल्की मुस्कान बिखेरती नजर आ रही हैं। दीपिका ने मैसेज में कहा, मेरे लिए सेल्फ केयर उन छोटे-छोटे रोजमर्रा के कार्यों को अपनाने के बारे में है, जो खुशी लाते हैं। सेल्फ केयर माह के अवसर पर, दीपिका ने अपने प्रशंसकों से आग्रह किया कि वे अपने लिए कुछ पल निकालें। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी वेबसाइट पर प्रशंसकों के लिए एक खास उपहार इंतजार कर रहा है। दीपिका हमेशा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए जानी जाती हैं। वहीं, अब अभिनेत्री, अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली की फिल्म में शामिल हो गई हैं, जिसका शीर्षक है. मेकर्स ने एक्स पोस्ट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें डायरेक्टर एटली और दीपिका पादुकोण सोफे पर बैठे नजर आ रहे हैं। इस दौरान एटली उन्हें अपनी फिल्म की कहानी बताते हैं। वीडियो में दीपिका के कुछ मोशन कैप्चर की भी झलक है, जिसे देख अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह फिल्म में एक योद्धा का किरदार निभाएंगी, जो घोड़े पर सवार है और जिसे तलवार चलाने में महारत हासिल है।

दीपिका अपनी छोटी बच्ची दुआ की जिम्मेदारियों में भी व्यस्त हैं। अभिनेत्री और उनके पति रणवीर सिंह ने सितंबर 2024 में अपने पहले नन्हे मेहमान का स्वागत किया। अभिनेत्री ने 2012 में संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला की शूटिंग के दौरान रणवीर सिंह को डेट करना शुरू किया था। उन्होंने 2018 में इटली में शादी की थी। दीपिका आखिरी बार रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में नजर आई थीं। इस फिल्म में अजय देवगन, रणवीर, अक्षय कुमार, श्वेता तिवारी, दयानंद शेट्टी, करीना कपूर खान, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सामने आई सिद्धार्थ-जान्हवी की

'परम सुंदरी' से जुड़ी नई अपडेट



फिल्म के लिए करना होगा और इंतजार

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कई रिलीज डेट टलने के बाद फिल्म को लेकर अब एक नई अपडेट सामने आई है। जिससे ये पता चलता है कि ये रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म कब रिलीज होने वाली है। जब फिल्म का टीजर जारी किया गया था तब फिल्म की रिलीज डेट 25 जुलाई बताई गई थी। लेकिन अब तक फिल्म के आगे की कोई जानकारी सामने न आने के बाद अब फिल्म को लेकर एक नई अपडेट सामने आई है। राजकुमार राव की 'मालिक' के साथ 'परम सुंदरी' का टीजर दिखाया गया। इसके साथ ही ये साफ हो गया कि एक बार फिर सिद्धार्थ और जान्वही की इस रॉम-कॉम की रिलीज डेट आगे बढ़ गई है।

जुलाई नहीं अब अगस्त में आएगी 'परम सुंदरी'

'परम सुंदरी' का पहला लुक राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर की फिल्म 'मालिक' के थिएटर प्रिंट्स के साथ जारी किया गया है। इसमें फिल्म की रिलीज आगे बढ़ने की जानकारी भी सामने आई है। इस लुक में लिखा गया है कि 'परम सुंदरी' इस अगस्त में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे स्पष्ट है कि 25 जुलाई को रिलीज होने वाली 'परम सुंदरी' अब अगस्त में रिलीज होगी। हालांकि, अभी फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान नहीं किया गया है।

कैफे पर गोलीबारी के बाद कपिल शर्मा को धमकी, खिसियाते हुए बोला आतंकी पन्नू- अपने खून की कमाई...

पिछले दिनों कपिल शर्मा के कनाडा में खोले गए 'कैप्स कैफे' पर कई राउंड की फायरिंग की गई थी। इस गोलीबारी की जिम्मेदारी बब्बर खालसा के कार्यकर्ता हरजीत सिंह लाडी ने ली। अब इस हमले के बाद खालिस्तान समर्थक अलगाववादी समूह सिख फॉर जस्टिस के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कपिल शर्मा को धमकी दी है। जिसमें उन्हें अपने खून की कमाई हिंदुस्तान वापस ले जाने की बात कही है।



पन्नू ने कहा, 'कनाडा आपके खेल का मैदान नहीं'

एक रिपोर्ट के मुताबिक, गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी करके कपिल शर्मा पर निशाना साधा है और उन्हें धमकी दी है। इस वीडियो में पन्नू ने कहा, कपिल और मोदी ब्रांड के हर दूसरे हिंदुत्व निवेशक से कहूंगा कि कनाडा आपके खेल का मैदान नहीं है। अपनी खून की कमाई हिंदुस्तान वापस ले जाइए। कनाडा बिजनेस की आड़ में हिंसक हिंदुत्व विचारधारा को कनाडा की धरती पर अपनी जड़ें नहीं जमाने देगा। वीडियो में आगे सवाल उठाते हुए कहा गया कि कपिल जो मेरा भारत महान का नारा लगाते हैं और खुलेआम मोदी के हिंदुत्व का समर्थन करते हैं, वो भारत में निवेश करने के बजाय कनाडा में निवेश क्यों कर रहे हैं।

साभार एजेंसी